संलग्नक क्र.4

कार्यवाही विवरण

मेसर्स रायगढ़ इस्पात एवं पॉवर प्राईवेट लिमिटेड, ग्राम–शिवपुरी, तहसील व जिला–रायगढ़ (छ.ग.) द्वारा ग्रीन फील्ड स्टील प्लांट के तहत डी.आर.आई. किल्न (6,93,000 टन प्रतिवर्ष), इण्डक्शन फर्नेस के साथ मैचिंग एल.आर. एफ. एवं सी.सी.एम. (हॉट बिलेट्स/बिलेट्स–2,97,000 टन प्रतिवर्ष), रोलिंग मिल (रोल्ड प्रोडक्ट्स–3,30,000 टन प्रतिवर्ष), फेरो एलायज यूनिट 4X9 एम.व्ही.ए. (फेरो सिलिकॉन–28,000 टन प्रतिवर्ष/फेरो मैग्नीज–1,00,800 टन प्रतिवर्ष/सिलिको मैग्नीज–57,600 टन प्रतिवर्ष/फेरो क्रोम–60,000 टन प्रतिवर्ष), ब्रिकेटिंग प्लांट (400 किलोग्राम प्रतिघंटा), डब्ल्यू.एच.आर.बी. बेस्ड पॉवर प्लांट–48 मेगावाट, सी.एफ.बी.सी. बेस्ड पॉवर प्लांट–16 मेगावाट एवं ईट निर्माण इकाई (76,600 ईट प्रतिदिन) की स्थापना के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु लोक सुनवाई **दिनांक 28.06.2024 का कार्यवाही विवरण :–**

भारत सरकार पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना दिनांक 14.09.2006 के अनुसार, मेसर्स रायगढ इस्पात एवं पॉवर प्राईवेट लिमिटेड, ग्राम–शिवपुरी, तहसील व जिला–रायगढ़ (छ.ग.) द्वारा ग्रीन फील्ड स्टील प्लांट के तहत डी.आर.आई. किल्न (6,93,000 टन प्रतिवर्ष), इण्डक्शन फर्नेस के साथ मैचिंग एल.आर.एफ. एवं सी.सी.एम. (हॉट बिलेट्स/बिलेट्स–2,97,000 टन प्रतिवर्ष), रोलिंग मिल (रोल्ड प्रोडक्ट्स–3,30,000 टन प्रतिवर्ष), फेरो एलायज यूनिट 4X9 एम.व्ही.ए. (फेरो सिलिकॉन–28,000 टन प्रतिवर्ष/फेरो मैग्नीज–1,00,800 टन प्रतिवर्ष/सिलिको मैग्नीज–57,600 टन प्रतिवर्ष/फेरो क्रोम–60,000 टन प्रतिवर्ष), ब्रिकेटिंग प्लांट (400 किलोग्राम प्रतिघंटा), डब्ल्यू.एच.आर.बी. बेस्ड पॉवर प्लांट–48 मेगावाट, सी.एफ.बी.सी. बेस्ड पॉवर प्लांट–16 मेगावाट एवं ईट निर्माण इकाई (76,600 ईट प्रतिदिन) की स्थापना के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु **लोक सुनवाई दिनांक 28.06.2024, दिन–शुक्रवार को प्रातः 11:00 बजे से स्थल–सिन्धु फार्म के समीप का स्थल, ग्राम–शिवपुरी, तहसील व जिला–रायगढ़ (छ.ग.)** मे अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी रायगढ, की अध्यक्षता में लोकसुनवाई प्रातः 11:00 बजे प्रारंभ की गई। लोक सुनवाई में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रायगढ़ तथा क्षेत्रीय अधिकारी, छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल रायगढ उपस्थित थे। क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा ई.आई.ए. नोटिफिकेशन दिनांक 14.09.06 के प्रावधानो की जानकारी दी गयी, साथ ही कोविड 19 के संबंध में गृह मंत्रालय भारत सरकार के आदेश दिनांक 30.09.2020 के अनुसार सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने, हेण्डवाश अथवा सेनेटाईजर का उपयोग किये जाने, मास्क पहनने एवं थर्मल स्केनिंग किये जाने की जानकारी दी गई। पीठासीन अधिकारी–आप सभी आमजन का इस पर्यावरणीय लोकसुनवाई में स्वागत है। मेसर्स रायगढ़ इस्पात एवं पॉवर प्राईवेट लिमिटेड, ग्राम–शिवपुरी, तहसील व जिला–रायगढ़ (छ.ग.) द्वारा ग्रीन फील्ड स्टील प्लांट के तहत् डी.आर.आई. किल्न (6,93,000 टन प्रतिवर्ष), इण्डक्शन फर्नेस के साथ मैचिंग एल.आर.एफ. एवं सी.सी.एम. (हॉट बिलेट्स/बिलेट्स–2,97,000 टन प्रतिवर्ष), रोलिंग मिल (रोल्ड प्रोडक्ट्स–3,30,000 टन प्रतिवर्ष), फेरो एलायज यूनिट 4X9 एम.व्ही.ए. (फेरो सिलिकॉन–28,000 टन प्रतिवर्ष/फेरो मैग्नीज–1,00,800 टन प्रतिवर्ष/सिलिको

मैग्नीज–57,600 टन प्रतिवर्ष/फेरो क्रोम–60,000 टन प्रतिवर्ष), ब्रिकेटिंग प्लांट (400 किलोग्राम प्रतिघंटा), डब्ल्यू. एच.आर.बी. बेस्ड पॉवर प्लांट–48 मेगावाट, सी.एफ.बी.सी. बेस्ड पॉवर प्लांट–16 मेगावाट एवं ईट निर्माण इकाई (76,600 ईट प्रतिदिन) की स्थापना के लिए ईआईए अधिसूचना 14 सितम्बर 2006 के अधीन पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु लोकसुनवाई आज नियत कार्यक्रम अनुसार आयोजित की जा रही है। इस लोकसुनवाई के संबंध में विधिवत् राष्ट्रीय विस्तारी सामाचार पत्रों में सूचना प्रसारित की गई है और जो अधिसूचित कार्यालय हैं उन सभी में सूचना का प्रकाशन किया गया है। आप सभी इस लोकसुनवाई में उपस्थित हैं आप सभी का पुनः स्वागत है। मैं मेसर्स रायगढ़ इस्पात एवं पॉवर प्राईवेट लिमिटेड के प्रतिनिधी को कहूंगा कि वो परियोजना के संबंध में विस्तृत जानकारी आमजन को उपलब्ध करावे।

लोक सुनवाई में कंपनी के प्रतिनिधि द्वारा परियोजना के प्रस्तुतिकरण से प्रांरभ हुई। सर्वप्रथम मैं कमल अग्रवाल, डायरेक्टर, रायगढ़ इस्पात एवं पावर प्रा॰ लिमिटेड की ओर से माननीय अपर केलक्टर श्री राजीव कुमार पाण्डेय जी, क्षेत्रीय अधिकारी रायगढ़, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल श्री अंकुर साहू जी, सी.एस.पी. महोदय एवं उपस्थित अन्य अधिकारी गण तथा पुलिस प्रशासन का और साथ ही उपस्थित जनता का मैं इस लोक सुनवाई में स्वागत करता हूँ। हमारे द्वारा ग्राम–शिवपुरी, तहसील एवं जिला–रायगढ़ (छ॰ग॰) में नवीन स्टील उत्पादन इकाई जिसमे डी॰आर॰आई॰ किल्न (स्पंज आयरन उत्पादन =6,93,000टन/वर्ष), इण्डक्शन फर्नेस इकाई (बिलेट या हॉट बिलेट उत्पादन=2,97,000टन/वर्ष), रोलिंग मिल (रोल्ड प्रोडक्टस=1,98,000टन/वर्ष तथा स्ट्रिप मिल=1,32,000 टन/वर्ष), फैरो एलॉज उत्पादन इकाई 4x9 एम॰व्ही॰ए॰ (फैरो सिलिकॉन–28000 टन/ वर्ष या फैरो मैगनीज– 100800 टन/ वर्ष या सिलिको मैगनीज़–57600टन/वर्ष या फैरो क्रोम– 60000 टन/वर्ष के उत्पादन हेतु), वेस्ट हीट रिकवरी आधारित विद्युत उत्पादन इकाई (48 मेगावॉट), सी॰एफ॰बी॰सी॰ आधारित विद्युत उत्पादन इकाई (16मेगावॉट), फ्लाई ऐश ब्रिक उत्पादन (76000ईंट/दिन) तथा ब्रिकेटिंग इकाई (400कि॰ग्रा/घण्टा) की स्थापना किया जाना प्रस्तावित है। प्रस्तावित परियोजना की स्थापना हेतु 46.337 हेक्टेयर भूमि लगभग 115 एकड़ क्रय की गई है। प्रस्तावित परियोजना की कुल अनुमानित लागत रू 897 करोड़ है। प्रस्तावित परियोजना के लिए वर्तमान पर्यावरण नियमानुसार हमारे द्वारा केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया है। इसी तारतम्य में यह जन सुनवाई आयेजित की गई है। हमारे द्वारा वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए प्रस्तावित डी॰आर॰आई॰ किल्नों में ई॰एस॰पी॰, इण्डक्शन फर्नेस इकाई में बैग फिल्टर, फैरो एलॉज उत्पादन इकाई में बैग फिल्टर तथा सी॰एफ॰बी॰सी॰ आधारित विद्युत उत्पादन इकाई की में ई॰एस॰पी॰ स्थापना किया जाना प्रस्तावित है। सभी प्रस्तावित वायु प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों की दक्षता पार्टीकुलेट मैटर उत्सर्जन की मात्रा 30 मिलिग्राम/घन मीटर से कम के अनुरूप होगी। जल प्रदूषण की रोकथाम हेतु विद्यमान संचालित इकाईयों के लिए 3180 किलो लीटर/दिन जल की आवश्यकता होती है। जिसे केलो नदी से लिया जाना प्रस्तावित है। जल संसाधन विभाग से अनुमति ली जावेगी। प्रस्तावित इकाईयों में क्लोज्ड सर्किट कूलिंग

सिस्टम को अपनाया जावेगा जिससे डी॰आर॰आई॰ किल्नों, एस.एम.एस. इकाई, फेरो एलॉयज़ एवं रोलिंग मिल इकाईयों द्वारा किसी प्रकार का दूषित जल उत्सर्जन नहीं होगा। पावर प्लांट में एयर कूल्ड कंडेन्सर की स्थापना की जावेगी, जिससे जल खपत में कमी आयेगी। अतः दूषित जल के उत्सर्जन में भी कमी आयेगी। प्रस्तावित परियोजना के संचालन बाद औद्योगिक दूषित जल की अनुमानित मात्रा 637.0 किलोलीटर/दिन होगी जिसका उपचार ई॰टी॰पी॰ में किया जावेगा। उपचार के बाद इसका उपयोग डस्ट सप्रेशन, ऐश कंडिशनिंग, ईंट निर्माण तथा सिंचाई में किया जावेगा। प्रस्तावित क्षमता विस्तार के बाद घरेलू दूषित जल की अनुमानित मात्रा 48.0 किलो लीटर/दिन होगी जिसका उपचार सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट में किया जावेगा। उपचार के बाद इसका उपयोग सिंचाई में किया जावेगा। शून्य निस्तारण स्थिति बनाई रखी जावेगी। जिससे आस पास के पर्यावरण पर दूषित जल का नकारात्मक प्रभाव नहीं होगा। प्रस्तावित परिसर में 22.93 हेक्टेयर भूमि पर हरित पट्टिका का विकास किया जाना प्रस्तावित है। प्रस्तावित हरित पट्टिका की चौडाई 50 से 120 मीटर होगी। हमारे द्वारा प्रस्तावित परियोजना में भी स्थानीय निवासियो को प्राथमिकता दी जावेगी। सामाजिक दायित्व के निंवहन नियमानुसार एवं आवश्यकतानुसार किया जावेगा। प्रस्तावित परियोजना में प्रदूषण की रोकथाम हेतु पर्यावरण एवं वन मंत्रालय एवं छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षरण मण्डल द्वारा सुझाये गये सभी उपायों को अपनाया जायेगा जिससे परियोजना द्वारा आस पास के क्षेत्रों में नकारात्मक प्रभाव नहीं होंगे। अंत में प्रस्तावित परियोजना के लिये उपस्थित जनता से सहयोग की उपेक्षा करता हूँ। धन्यवाद।

तदोपरांत पीठासीन अधिकारी – प्रस्तावित परियोजना के डायरेक्टर श्री अग्रवाल जी द्वारा परियोजना के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई है। मैं आमजनता में से आप सभी को आमंत्रित करता हूं कि आप परियोजना के संबंध में जो भी आपके विचार, टीका–टिप्पणी प्रस्तुत करना चाहते हों प्रस्तुत करेंगे मेरा यह भी अनुरोध रहेगा जो भी व्यक्ति अपने बात रखेंगे तो आपका नाम और आप किस जगह के रहने वाले हैं उसका विवरण देते हुये अपनी बात रखेंगे।

इसके उपरांत उपस्थित जन समुदाय से सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणी आमंत्रित की गयी, जो निम्नानुसार है –

सर्व श्रीमती/सुश्री/श्री –

1. त्रिवेणी, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
2. कमला, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
3. प्रेमशीला – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
4. फुलमती, सराईपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
5. रेवती, सराईपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
6. रूपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

7. पुनीबाई – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
8. कमला, सराईपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
9. गोल्डी, सराईपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
10. लक्ष्मीन, सराईपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
11. रनमती, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
12. कुमारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
13. शांति – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
14. रसमती, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
15. नर्मदा, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
16. सुमती – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
17. पिंकी, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
18. कलावती, सराईपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
19. सुखवारो, सराईपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
20. गुरबारी, सराईपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
21. बाधमती – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
22. रूकमणी, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
23. रासमती, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
24. ईशा – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
25. सुकांती – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
26. कलावती, सराईपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
27. टीकाराम, सराईपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
28. रामप्रताप, सराईपाली – रोजगार मिलना चाहिये। मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
29. सजल राम – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
30. समारू, सराईपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
31. सुनाउराम – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है। मेरा बेटा काम करता है।
32. देव्रत साव – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
33. दामोदर, सराईपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
34. खुशीराम – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

35. कलाराम – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

36. जोगीराम, सराईपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

37. अमिर – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

38. गंगाराम – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

39. जेठुराम, सराईपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

40. जगमती – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

41. फुलमती – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

42. जगनी बाई – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

43. मंगलमती – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

44. नीता – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

45. तन्वी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

46. राजेश्वरी, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

47. दिलेश्वरी, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

48. महिमा, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

49. सुमित्रा, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

50. जया, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

51. रूकमणी, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

52. सुमित्रा, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

53. आरावती, सराईपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

54. फुलकुमारी, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

55. मोनिका, सराईपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

56. श्रीमती राठिया – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

57. केकती, सराईपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

58. बिमला – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

59. रोहिणी, सराईपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

60. मंगलाई, सराईपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

61. गंगामती – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

62. धनमती – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

63. देशमती – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

64. करिश्मा, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
65. सुनिता – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
66. सुलोचना, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
67. गजानंद, सराईपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
68. पृथ्वी राठिया – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
69. राजू, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
70. देवचरण, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
71. विजय, – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
72. कृष्णकुमार, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
73. शिवा, सराईपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
74. मोहनलाल – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
75. बुधु – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
76. अमृतलाल – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
77. नारायण, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
78. फागुराम, गेरवानी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
79. रामनाथ – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
80. रामलाल – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
81. वचन – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
82. अनंतराम, गेरवानी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
83. ननकीराम, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
84. बिहारीलाल – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
85. राजकुमार, सराईपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
86. संतोष, सराईपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
87. दुजेराम, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
88. जसमती – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
89. बसंती, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
90. प्रिति, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
91. विभा, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
92. छाया, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

122. उर्मिमा, गेरवानी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

123. सेवती, गेरवानी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

124. सुखबाई – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

125. दिव्यनी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

126. गुरबारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

127. ठेगेबाई – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

128. सुमीत, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

129. सतबीर सिंह – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

130. चंदन सिंह, सराईपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

131. रमा पटेल, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

132. हिरूराम, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

133. लक्ष्पाल – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

134. प्रेमप्रकाश – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

135. सूरज कुमार – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

136. छोटू – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

137. बोधराम – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

138. बाबूलाल – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

139. राखी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

140. संदीप कुमार – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

141. राजू लाल – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

142. कमलेश्वर, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

143. फेरूराम – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

144. जनकराम, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

145. विजय, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

146. संतोष – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

147. विनोद – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

148. भजन साय – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

149. सुखसाय – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

150. केशव – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

151. सूरज राठिया – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

152. कन्हैयालाल, सराईपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

153. कमलेश – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

154. मिथिला – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

155. सोनकुंवर – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

156. खेसमती, गेरवानी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

157. कृतबाई – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

158. लवली, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

159. मिना साहू – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

160. जानकी यादव – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

161. अनिता – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

162. सुजिता – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

163. अनिता – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

164. प्रतिमा – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

165. सुदामा – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

166. रूकमणी, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

167. दुरपती, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

168. तमन्ना, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

169. कन्याकुमारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

170. नहरबाई, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

171. तारिणी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

172. शारदा – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

173. मंगलमती – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

174. गुलाबमती, गेरवानी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

175. फागु – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

176. सक्कु बाई – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

177. विद्धामती – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

178. कविता – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

179. पुष्पा, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

180. रजनी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

181. सरस्वती, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

182. विदया साहू – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

183. जानकी, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

184. बालकुंवर, – मेसर्स रायगढ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

185. मिरा – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

186. मिनाक्षी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

187. कविता – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

188. रामकुंवर – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

189. फुलबाई, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

190. जानकी, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

191. कविता, सराईपाली – मेसर्स रायगढ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

192. सुमन, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

193. विन्दया – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

194. नेहा – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

195. लक्ष्मी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

196. सुमती – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

197. समारी बाई – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

198. साधना – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

199. दूर्गा – मेसर्स रायगढ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

200. किरण, गेरवानी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

201. राजकुमारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

202. शिल्पी, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

203. पुष्पा बाई, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

204. सरिता, – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

205. देवमती – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

206. रूकमणी, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

207. अनिता, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

208. अनिता – मेसर्स रायगढ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

209. ललिता, गेरवानी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

210. शांति यादव, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

211. बंधनदिप – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

212. सीताराम चौहान, गेरवानी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

213. अनिल, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

214. कमल, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

215. उदयराम – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

216. अमर साहू, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

217. लक्ष्मीप्रसाद – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

218. राजकुमार – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

219. राधाबाई, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

220. उषा चौहान – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

221. दिलेश्वरी, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

222. कमला, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

223. लाखोबाई – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

224. कुमारी यादव – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

225. सुशीला, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

226. लालमती – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

227. जानकी देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

228. नूरा – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

229. चंदा, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

230. कमला, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

231. पदमा, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

232. गुरबारी, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

233. सावित्री, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

234. शौकीबाई, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

235. कुंती, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

236. पुष्पा देवी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

237. फुलबाई, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

238. सुनिता, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

239. ललिता, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

240. अनिता, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

241. संगीता, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

242. ललिता, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

243. जमुना – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

244. मोंगरा, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

245. शांति बाई – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

246. माधुरी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

247. देवकी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

248. बिमला – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

249. रनवती – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

250. कुंदबाई – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

251. लक्ष्मी देवी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

252. पीली बाई, सराईपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

253. गौरी, सराईपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

254. राधा, सराईपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

255. प्रतिमा, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

256. निरा, – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

257. रामबाई, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

258. दिव्या – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

259. सुशीला, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

260. दरशो बाई – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

261. रौताईन, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

262. सरीता, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

263. लता बेहरा, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

264. पूर्णीमा – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

265. राजकुमार, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है। हमारे पंचायत में चबूतरा चाहिये।

266. चित्रसेन, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

267. नेहरूलाल, देलारी – मेसर्स रायगढ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

268. अक्षय, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

269. तुलेश साहू – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

270. अरूण कुमार – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

271. पुनीराम, सराईपाली – ये मोर मालिक हे रायगढ इस्पात तो हमारे दुःख, सुख को सुने। हमारा भागवत पार्टी है तो सहयोग करही मेरा यही कहना है। मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

272. नकुल – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

273. चेतराम – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

274. संजय चौहान, सराईपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

275. चंदन, सराईपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

276. नरेन्द्र, सराईपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

277. टिकेश्वर, भुईकुर्री – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

278. सहन राम, – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

279. विजय, – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

280. उमेश कुमार, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

281. बिहारी लाल, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

282. राजू, देलारी – मेसर्स रायगढ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

283. रामजीत, देलारी – मेसर्स रायगढ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

284. मिथुन, गेरवानी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

285. सियाराम – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

286. अमरनाथ – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

287. शत्रुघन – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

288. अनिल – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

289. अनुज – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

290. टिकाराम, देलारी – मेसर्स रायगढ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

291. अनिल गुप्ता, देलारी – मेसर्स रायगढ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

292. चुडामणी, सराईपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

293. रामनाथ साय पैंकरा, सराईपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

294. रामकुमार – मेसर्स रायगढ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

295. चैतराम, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

296. गंगाराम – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

297. प्रकाश, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

298. कालूराम, देलारी – मेसर्स रायगढ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

299. रोहित,गौरमुड़ी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

300. सविता रथ, जनचेतना, रायगढ़– उपस्थित सभी अधिकारियों को नमस्कार के साथ ये जो लोकसुनवाई है मेसर्स रायगढ़ इस्पात, शिवपुरी की स्थापना का जो पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु कर रहे हैं उसमे इन्ही के द्वारा पर्यावरणीय प्रभाव आकलन ग्रीन फिल्ड स्टील प्लांट से परियोजना को जो ईआईए और समरी हिन्दी में है और कैसा ईआईए है मैं उसपर कुछ बिन्दु रखना चाहूंगी। क्युं उदास हैं सर आप मेरी बात सुने। कल की जनसुनवाई में मैने कहा था आज कि जनसुनवाई का कोई औचित्य नहीं है क्यों कि रायगढ़ इस्पात के पूर्व स्थापित इकाई और नई स्थापना में कोई अंतर नहीं है एक ही ईआइए है और कई सारी ईआईए की कॉपी पेस्ट है। तकनीकी पहलू से पहले सामाजिक पहलू के बारे मे मैडम से कल मैने मांग किया था कि क्या जरूरी था एक ही परियोजना की दो जनसुनवाई कराने की? इस काम मे लगे हुये कर्मचारी है अलग–अगल विभाग के पुलिस, राजस्व, फायर ब्रिगेड, गांव के कोटवार एवं महिलाऐं हैं, प्रशासनिक अधिकारी हैं। जनसुनवाई में जो ईमानदारी से काम कर रहे हैं इनके लिये कंपनी प्रबंधन के सीएसआर से एक पुलिस वेलफेयर में, अग्निशमक वेलफेयर में, राजस्व के वेलफेयर में मैने आज की नागरिकों को एवं प्रशासनिक अधिकारी को चौकीदारी करवाकर इनता बड़ा फोर्स बुलाया है। क्या कल के मेरे मांग को कि पुलिस एवं सभी कर्मचारियों के एक दिन का वेतन आज जमा करावा दिया गया है वो पूरा हो गया है? क्या आपने प्रयास किया? क्या आप नागरिको के लिये जो सुविधा है उसको निजी कंपनियों को बांटने में तुले हैं? इसका जवाब दें, इसके बाद अन्य मुद्दों पर बात करूंगी। पुलिस फोर्स के एक दिन का वेतन जमा किया गया है? जितने जनता नहीं है उतने पुलिस फोर्स को बुलवाकर दुरूपयोग किया है। कल जो अप्रिय घटना हुआ राजेश त्रिपाठी जी के ऊपर जो कंपनी ने करवाया था उसके वजह से लोग दहसत में आकर आज के जनसुनवाई से नदारत हैं। किसी प्रकार की फण्ड पर पहल किया है क्या आपने? कंपनी प्रबंधन से जमा करा लिया गया है क्या? नागरिकों के लिये जो सुविधाऐं है कंपनियों को उपलब्ध कराये हैं तो उसका क्या पेमेंट आपने जमा करवाया है, कल की मेरी मांग में? इतने पुलिस अफसर का उपयोग क्यों? आप विद्वान अधिकारी हैं आपके सामने मुझे ऐसा कहना असहज है लेकिन आप उद्योगों में अतिरिक्त पुलिस बल का जो दुरूपयोग करते हैं उसको रोका जाना चाहिये, कम संख्या लगाना चाहिये ताकि अपराधों में गंभीरता

में वो नागरिकों का काम करें न कि निजी कंपनियों की चौकीदारी। उनको एक दिन का अतिरिक्त भत्ता तो मिलना चाहिये न उनके वेलफेयर में जमा करावा दीजिये कंपनी प्रबंधन से जितना बनता है लिस्ट अनुसार एसपी साहब के पास आया होगा लिस्ट कौन–कौन से पोस्ट के अधिकारी कितने है जो ड्युटी कर रहें हैं। मैं बाद में पूछुंगी तब तक आप पता लगवा लीजिये। कल के दिनांक 27.06.2024 के जनसुनवाई में सामाजिक कार्यकर्ता एवं पर्यावरण विद् राजेश त्रिपाठी के ऊपर किसी कंपनी के आदमी ने शारिरीक हमला किया। जिसे क्षेत्रीय युवक को शराब पिलाकर यहां लाया गया ये सब साहू सर के सामने ये घटना घटी। इसके बाद जनसुनवाई करवाना जरूरी था? क्या कंपनी के ऊपर एफआईआर नहीं करवाना चाहिये था? और नहीं कराया तो क्यों? इस प्रकार का अप्रिय घटना की पुनरावृत्ति होती है तो उद्योग के लिये मुश्किल होगा इस शांत क्षेत्र में क्षमता विस्तार करना। अपने कर्मचारी को भावनात्मक रूप से कंट्रोल करो नही तो कंपनी नहीं चला पाओगे सभी दिन कोट कछेरी थाना में घुमना पड़ेगा। मैं बस कागज लिखुंगी गांधीवादी तरीके से। मेरे ऊपर या किसी के भी ऊपर हमला होगा तो कैसे प्लांट चलाओगे? मेसर्स रायगढ़ इस्पात शिवपुरी में स्पंज आयरन का जो स्थापना है सर। इस क्षेत्र में प्लांट को प्राप्त अनुमतियों एवं पूर्व में किये गये एवं पूर्व स्थापित प्लांटों के शिकायतों के शर्तों को पूरा नहीं किया जा रहा है इसके बावजूद क्षमता विस्तार किसी प्रकार से पर्यावरणीय क्षति की पूर्ति नहीं की जा सकती। फ्लाई ऐश के पुख्ता निपटान के इंतेजाम नहीं होने से पर्यावरण प्रदूषण से इस पूरे क्षेत्र में तापमान ऑक्सीजन पीएच, जन गतिविधि दबाव, पोषक तत्वों की कमी, पर्यावरण की भौतिकी विशेषताओं और सूक्ष्म जीव अनुकूलन पर आ जाने के बाद व्यापक पैमाने पर पर्यावरणीय स्तर पर परिस्थिक कारण और पर्यावरण कारक कोई भी जैविक या अजैविक है तो जीवित जीवों को सीधे प्रभावित कर रहा है। यह तराईमाल औद्योगिक क्षेत्र के अधिक विस्तार को इसलिये पर्यावरणीय समाजिक सुरक्षा उपयों के एसआईपी पर्यावरणीय सामाजिक प्रबंधन ढांचों के अंतर्गत परियोजना के गतिविधियों क्रियान्वयन से उत्पन्न प्रभावों को यह उद्योग पूर्व से ही बड़ी लापरवाही और अधर्मिता के साथ अपनी पर्यावरणीय अनुमतियों का पालन नहीं किया जाता रहा है। उस स्थिति में इस नये जनसुनवाई का करवाना क्या औचित्य है? अनौचित्य जनसुनवाई, फर्जी ईआईए व पर्यावरणीय नियमों को ताक पर रखकर आप कैसे जनसुनवाई करवा सकते हैं। आज के तारीख में इस क्षेत्र के जंगल नदी इनके ईआईए में गायब है। 18 नाला गायब है, जंगलों के डेटा, पेड़, इमारती लकड़ी, औषधि इसकी बिना जांच करें और सबसे बड़ी बात यहां के पेड़ में चिड़ियों का सैकड़ों जीव–जन्तु का आश्रय घर है उनको हानि होगा तो मानवीय जीवन को क्या हानि होगा आप ये बात बताये? ये इस प्रकार का ईआईए बना है। आप पढ़कर आये होंगें। खण्ड 6 छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा राज्य सरकार ने 25 जुलाई 2001 के द्वारा जल प्रदूषण अधिनियम 1974 एवं वायु प्रदूषण अधिनियम 1981 की धारा 4 के तहत् किया गया। अभी तक नियम का पालन नहीं किया है। वर्तमान में छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा निम्नलिखित

नियमों के प्रदत्त दायरों में रायगढ जिला प्रथम आता है जिसमें निर्वहन किये जाने हेतु बनाया गया। तो क्या 8 बिन्दु जिसमें जल प्रदूषण उपकर नियम 1977, जल प्रदूषण उपकर नियम 1978, जल प्रदूषण नियम 1975, जल सम्मति नियम 1975, एवं वायु प्रदूषण अधिनियम 1981, वायु प्रदूषण छत्तीसगढ़ नियम 1983, पर्यावरण संरक्षण नियम 1986 इतने नियम के होते हमारा रायगढ़ जिला सबसे प्रदूषित जिला कैसे हो गया? कहां कानून में लचर व्यवस्था आपने अपनाया? रायगढ जिले में परिवेशीय वायु प्रबोधन कार्यक्रम एनएएमपी को ध्वस्त कर दिया आपने। तो क्या नियमों के अधीन उद्योग चले हैं? रायगढ़ की जल, वायु एवं मृदा सटीक तरीके से हैं? कि हम नई परियोजना लगाये सकें इसका आंकलन कौन किया है। एनओटू, एसओटू निलंबित कण का परीक्षकरण, नमूनों का एकत्रीकरण, टेक्नोलॉजी एवं पर्यावरण विद्वानों की नियुक्ति ही नहीं है। कर्मचारियों की कमी से दूषित जल पर निगरानी करने के लिये जो दल बनना था वो बन गया है? क्या हमारे दूषित जल एवं वायु स्त्रोतों के निगरानी कराने के लिये कमेटी गठन करना था वो है? योग्यता, क्या पढ़े है वो कहां हैं? उसमें कौन शामिल है? 2001 में छत्तीसगढ पर्यावरण विभाग का गठन हुआ और 24 साल में आपके पास कोई कमेटी नहीं है। और आपने यहां 365 उद्योग लगा दिये। आपको नियम मालूम नहीं तो मैं बताती हूं इस जनसुनवाई को आप निरस्त करें। नगरीय ठोस अपशिष्ट, पुनः चक्रित प्लास्टिक का कोई भी नियम है न तो मानवीय संरचना न तो व्यवस्था है। नियमों को ताक पर रखकर आप कैसे अंधाधुंध जनसुनवाई करवा रहें है? निगरानी वाले लोग नहीं हैं तो कौन करेगा सर? समुदाय करेगा तो आपको बुरा लगेगा धारा लगा के उनको सरकारी काम में बाधा बोलकर उनको अंदर दोगे। फिर हमारे जैसे लोग जाके जमानत करवाते रहेंगे। उद्योग के ईआईए को मानकर आप ये जनसुनवाई करवाने आ गये जो उद्योग बोल दे वही आपको मानना पड़ रहा है। उद्योग के सीएसआर व डीएमएफ के पैसे हैं न आपने व्यक्ति का चयन किया न ही लेबोरेट्री का चयन किया। टीओआर के 6 में ईआईए में दिये प्लांट क्षेत्र 10 किमी, भूमि के प्रकार अध्ययन, पृष्ठ क्रमांक 20 रिजर्व फॉरेस्ट को झाड़ 12.4 प्रतिशत बता रहें हैं। बांस यहां की महत्वपूर्ण रही है आदिवासी क्षेत्र में। इसे भूखमरी के दौरान खाया जाता है जो प्रोटीन विटामीन से प्रचूर है जिसे ये 4.2 प्रतिशत बता रहें है बांस के बाद सरई, इमरती लकडी, महुआ। आप महुआ पेड़ को नही गिनोगे। पीपल व अन्य पेड़ में लाखों जीव जन्तु का घर है। यह वही जीव है जो जंगल बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जिसे संरक्षित नहीं करोगे तो जैव विविधता समाप्त हो जाना है। हजारो जीव–जन्तुओं का यह जगह है। 24 साल हो गये आपके विभाग व प्रशासन ने कोई स्वतंत्र कमिटी का गठन नहीं किया जो विशेषज्ञ हो भू–गर्भ शास्त्री, वन शास्त्री, जैव विविधता शास्त्री हो ऐसा किसी दल का गठन किया है क्या? नहीं किया तो दुर्भाग्यपूर्ण है। लाखा जो 1.5 कि.मी है वह रामपथ गमन महत्वपूर्ण योजना रही है पिछली सरकार में। बैंसगढ़ी का मंदिर का पूजा किया जाता है वो भित्ती चित्र के लिये माना जाता है जो इस उद्योग के 5 कि.मी के अंदर आता है। आपके बिन्दु 5 वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ज्ञापन दिनांक

13 जनवरी 2010 अनुसार रायगढ़ को प्रदूषित क्षेत्र के अंतर्गत लिखा हुआ है। ईआईए में आपको प्रदूषण क्यो नही दिखता? यह अध्ययन कहता है आपने गलत ईआईए बनाया है या आपने भू–गर्भ शास्त्री, वन शास्त्री, जैव विविधता शास्त्री का राय नहीं लिया है। पेशा एक्ट में आदिवासी को शामिल नहीं किया आपने विशेषज्ञों को ही कर लेते। पेपर और बाईंडिंग अच्छा है ईआईए का और कुछ नहीं अच्छा है। 14 सितंबर 2006 अनुसार जो ईआईए बनी है वह नहीं बनी जाये ताकि दुबारा अध्ययन कर अनुसूची 5 पेशा अधिनियम को पालन करते हुये यहां कि मूल निवासी की राय को सम्मान के साथ ग्रामसभा में छत्तीसगढ़ी भाषा में बनाकर प्रस्तुत करें। जिससे वो अपनी राय रखेंगे। किसी को इस जनसुनवाई के बारे में जो लिखा है परिवेशीय तत्व उसकी जानकारी नहीं है जिसके कारण लोग समर्थन विरोध की बात कहकर चले जा रहे हैं। उनके भविष्य से उद्योगपति कैसे खिलवाड़ कर रहे हैं ये आप देख रहें हैं। छत्तीसगढ़ी भाषा में ईआईए हो ताकि लोग इसे समझकर अपनी राय दे सकें हालांकि आपके प्लांट के 10 किमी रेडियस के अंदर हाथियों की आवाजाही देखी गई है। रायगढ़ इस्पात के द्वारा हाथियों का संरक्षण योजना बनाकर किये जाने का दावा पृष्ठ क्रमांक 20 में लिखा गया है। आगे अध्याय दो में लिखते है पीसीसीएफ छत्तीसगढ़ पर सिफारिशों का पालन संबंधी कि ये हाथियों का संरक्षण की जिम्मेदारी लेता है। गलत ईआईए, राजस्व आंकड़े, स्वास्थ्य शिविर लगाये बिना, की रिपोर्ट नहीं है। 3–6, 6–12, 12–18, 18–70 वर्ष के आयु का कोई डेटा नहीं है कि कितने लोग प्रभावित होंगे। कितने आदिवासी समाज सीधे व आंशिक प्रभावित होंगे? कितने ट्रक चलेंगे? कहां से माल आयेगा? कितना जलेगा? ये रिपोर्ट नहीं दिया है। तो इस स्थिति में जनसुनवाई कराना चाहिये। इन्हे अनुमति दे दें ये हाथी जरूर पाल लेंगे। पॉवर प्लांट के फ्लाई ऐश के निपटान का कोई प्लान है पर्यावरण संरक्षण मंडल के पास, न सीएसआर व डीएमएफटी कोई का हिसाब है। और आप पूरे क्षेत्र को प्रदूषण में झोंक कर अपना ट्रांसफर कराकर निकल लेंगे। कोयले के फ्लाई ऐश सांस से या खाने के वस्तुओं से निगल लेते है तो तंत्रिका तंत्र पर असर पड़ेगा। पॉवर प्लांटों द्वारा फ्लाई ऐश का निपटान नदी, जंगल में अभी तक किया जा रहा है। अभी तक आपने कोई नीति या इसको रोक नहीं पाये क्यों कि इन उद्योगों के पास फ्लाई ऐश डाईक नहीं है। ऐसे में नई परियोजना को अनुमति देना कितना सही होगा ये आप समझिये? फ्लाई ऐश डाईक बनाने के लिये ईआईए में कोई आगामी योजना भी नही है। पर्यावरण के कोई भी नियम का पालन नहीं किया गया है। टीओआर और जीपीएस नक्शा दिया है उसमे केलो बांध परियोजना आती है। इन्होनें कहां कि ये ईंट निर्माण करेंगें पिछले वाले प्लांट का ईंट निर्माण हो गया क्या? ईंट प्लांट नहीं लगने के पूर्व आप यहां प्लांट नहीं लगायेंगे क्यों कि मैं मूल प्रभावित हूं। मेरा गांव बलरिया 7.5 कि.मी अंदर इस उद्योग से प्रभावित है। मै नहीं चाहती कि आपका धुंआ हमारे खाने, तालाब वन एवं पशुओं पर आये। 10 कि.मी. रेडियस में कम से कम 05 गांव है जहां पट्टा मिला हुआ है तो क्या आदिवासी के वन भूमि को प्रदूषित करेंगे। जहां एफआईआर का नियम लागू है। ये पट्टा

01 जनवरी 2020 को पूर्व सीएम भूपेश बघेल के द्वारा। ये सारे डेटा मेरे पास हैं मैं दे सकती हूं। ईआईए बहुत भ्रामक है इस स्थिति में क्या नई परियोजना करनी चाहिये? इनके पास जल संसाधन विभाग का अनापत्ति नहीं है। कल जो हुआ उस व्यक्ति को गिरफ्तार किया जाये ताकि इस प्रकार का अप्रिय घटना न हो। कल वो घटना घटित हो जाती चाकूबाजी हो जाती रमेश अग्रवाल गोलीकाण्ड हो जाती तब भी हम मूक बधिर बने रहकर जनसुनवाई करवाते। क्युं उद्योग प्रबंधन का जवाबदेही सुनिश्चित किया गया। आप कृपया एफआईआर दर्ज करें। कर्मचारी जो उपस्थित हैं उनके वेलफेयर में उद्योग प्रबंधन से कितना पैसा जमा कराये हैं? आप हमारे कलेक्टर व पर्यावरण अधिकारी हैं तो उद्योग के लिये क्यों आते हैं। आप रायगढ़ इस्पात का बात मानेंगे। हमारे ऊपर जो हमला हुआ उस पर एफआईआर दर्ज करें। कल जिनपर हमला हुआ आज आयेंगे और हमला होगा तो कौन जिम्मेदार होगा? या फिर यहां के गरीब लोग को उठाकर अंदर कर दिया जायेगा। मेरे व साथियों के लिये क्या सुरक्षा इंतेजाम हैं। कल की घटना का वीडियों देख लीजिये पण्डा जी को आप गिरफ्तार करायेंगे या नहीं? कैसे लोग स्वतंत्र निष्पक्ष होकर अपनी बात रखेंगें? हमारे साथी के साथ पिछले 35 साल से काम कर रहे हैं आज तक उनके साथ ऐसा अभद्र व्यवहार नहीं हुआ। वो अपनी बात नीतिगत रखते हैं किसी का हम समर्थन व विरोध नहीं करते हैं, अच्छे ईआईए का निर्माण हो जिससे विकास व अच्छा पर्यावरण नीति लागू हो। रात के 01 बजे तक पीठासीन अधिकारी हमें सुनते रहे हैं। जिंदल ने जब रमेश अग्रवाल पर गोली चलवाया। जिंदल का अस्तित्व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खत्म हो गया। आप तो नये है सर हमसे मिलके चलिये ऐसे छिछोर हरकत करेंगे हमे उम्मीद नहीं था सर। स्केनिया के अपराधिक मामलों मे निकाले गये व्यक्ति गांव के गरीब को लाकर यहां तकनीकी रूप से बात रख रहे पर्यावरण विद् पर हमला करा रहे हैं। कल की घटना का निन्दा करते हुये कार्यवाही की मांग करते हैं। उद्योग प्रतिनिधि जान ले हमारे लोगों के ऊपर हमले करके जो सराईपाली में चाकूबाजी करके इस प्रकार के घटना पर उद्योग प्रतिनिधि कंट्रोल नहीं कर पा रहे हैं तो आप यहां से उद्योग नहीं चला पायेंगे। रोज 02 पेपर लगाऊंगी भोपाल, उच्च न्यायालय बिलासपुर, एनजीटी में आप घूमेंगे उद्योग हाथी चलाकर निकल जायेंगे। आइंदा इस प्रकार का भद्दा हरकत न करें उद्योग प्रबंधन। लगातार हम किसान, आदिवासी, महिलाओं, युवाओं के साथ हम काम करते रहे। हमारी एक जड़ हैं। हमारी जड़ कोई कमजोर नहीं है। हमारे पीढियों के रिश्ते हैं आपको लगा आप खतम कर देंगे। गरीब को थाना ले गये कंपनी के अधिकारी कर्मचारी छूट गये। मैनेजर पर क्यों एफआईआर नहीं हुआ कराईये? उस कमजोर व्यक्ति को छोड़ा जाये जो मानसिक विकार से ग्रसित है। हमले कराते तो मजबूत कराते आप यहीं के स्थानीय व्यक्ति को अपराधी बना रहे हैं। और आप निकल जायेंगे उपाध्याय जी आपको क्या लगा आपकी चालाकी समझ नहीं आयेगी? दुबारा यह नहीं होना चाहिये। प्रशासन व उद्योग प्रबंधन सुनिश्चित करें किसी के ऊपर हमला नहीं होना चाहिये। कल तक मेरा इरादा नहीं था कि उंचे आवाज में बात रखूं। ये अपराधिक दबदबा

कायम करना चाहते हैं। जितने इनके कर्मचारी है उनका कैरेक्टर वेरिफाई प्रशासन ने या पुलिस विभाग ने किया है क्या? ये लोग कौन हैं? इनका अधार कार्ड व रजिस्टर मेंनटेन किया गया है क्या? अगर मुझे यहां से निकलते ही सूट करा दिया गया रमेश अग्रवाल जैसे तो मैं किस सुरक्षा मानक के तहत् घर जांउ बताईये? रायगढ इस्पात को अनुमति देने से पहले ओरेगन विश्व विद्यालय की नीति को पढिये। 1850 से लेकर अभी तक 3700 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण संधियों, सम्मेलनों पर हमार देश भी हस्ताक्षर करता आ रहा है कि 2030 तक औद्योगिक पर्यावरणीय नुकसानों खनन परियोजनाओं में कमी करके औद्योगिक दुष्प्रभावों को कम करेगा। जब हस्ताक्षर किये हैं तो उसका अनुपालन कीजिये। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भोपाल म.प्र. के अध्ययन रिपोर्ट अनुसार रायगढ जिले के प्रदेश की रायपुर से अधिक प्रदूषित बना दिया है तो हम रायगढ़ वाले कैंसर, पीलिया, फ्लाईराईड, सिलकोसिस से मर जायें। रायगढ़ का डेटा भोपाल ने जो दिया है उसको सुनें रायुपर से तीन गुना ज्यादा हैवी मेटल रायगढ़ के हवा में विद्यमान है। मानव जीवन के लिये हानिकारक है। रायगढ़ में एनओटू व एसओटू की मात्रा में वृद्धि हुई है इसके अलावा जल स्त्रोत में भी प्रदूषण मानक सीमा से अधिक बढ चुका है। केलो नदी व अन्य नदी के पानी तथा पीने के पानी में बीओडी और डीओडी में भी असंतुलन देखा जा रहा है। यह डाटा 2011 से 2013 का है तब से कितने उद्योग लगे और कितना का विस्तार हुआ देख लीजिये। केन्द्रीय प्रदूषण बोर्ड ने शहर से जो सैम्पल लिये थे पहला पर्यावरण कार्यालय, होटल श्रेष्ठा, औद्योगिक पार्क पूंजीपथरा, तराईमाल, जिंदल पॉवर यहां का अध्ययन एसपीएम व पीएम5 के आधार पर किया गया है किसी भी जगह का 400 ग्राम से अधिक नहीं होनी चाहिये थी पर तराईमाल में 1109 है तो औद्योगिक पार्क का 1123 था। होटल श्रेष्ठा का 601 तो पर्यावरण विभाग के पास 576 है। पीएम 10 औद्योगिक पार्क 198 व तराईमाल में 167 है औद्योगिक पार्क का मानक 60 है। रायगढ़ शहर में 100 पाया गया था। रायगढ़ का तापमान 47 डिग्री बढ़ाने वाले आप हैं या उद्योग हैं? पैसा जमा करवाने और एफआईआर के मामले में आपने क्या निर्णय लिया? हां या नहीं कुछ बोल दीजिये? महिला अधिकारी कर्मचारी का पैसा जनसुनवाई में डबल होना चाहिये। अनावश्यक उनको अपने काम से हटाकर यहां ले आये हैं। (पीठासीन अधिकारी – आपसे अनुरोध है जो पर्यावरणीय जनसुनवाई प्रस्तावित परियोजना के संबंध में आपको जो भी विचार रखने हो रखने का कष्ट करें।) मैं आपको आपके कार्यालय में जाकर मांग नहीं कर रही हूं। इसी जनसुनवाई में कल हमारे संस्था प्रमुख हमारे वरिष्ठ साथी के ऊपर हमला आपके निगाहों के सामने होता है और आप जिला प्रशासनिक अधिकारी बैठे हैं क्या आपकी इतनी लचर व्यवस्था है। जनसुनवाई में हमारे ऊपर हमले होते हैं आप मूक दर्शक बने रहेंगे सर? रमेश अग्रवाल, राजेश त्रिपाठी, राधेश्याम शर्मा, जयंत बहिदार किसी को भी गोली मार देंगे तो आप बोलेंगे आप अपना ईआईए पढ़िये फिर एम्बुलेंस में जाकर अपना ऑपरेशन कराना? एफआईआर करवाईये सर कंपनी प्रबंधन के ऊपर। फर्जी ईआइए पर आपने एफआईआर नहीं करवाया। आपने पर्यावरणीय नियमों के उल्लंघन पर

एफआईआर नहीं किया, पर्यावरण अधिकारी आप क्युं नहीं करा रहें? अनुसूचित पेशा क्षेत्र का आपने उल्लंघन किया। जिस क्षेत्र में बैठे है ये अनुसूचित 5 क्षेत्र है किसके अनुमति से जनसुनवाई करवा रहें हैं। कौनसे ग्रामसभा से महिलाओं के 50 प्रतिशत हिस्सेदारी से जनसुनवाई करवा रहें हैं, किसने फोर्स लाने, गाड़ी लाने का अनुमति दिया? नहीं दिया न? आप छत्तीसगढ़ पेशा नियम पढ़िये। पेशा नियम ईआईए में नहीं है। मैं खाली लेबोरेट्री की बात करूं वही ईआईए है एसआईए की बात नहीं है। मेरी सुरक्षा की बात कुछ नहीं। जिसके कारण मैं जिंदा हूं उनके सुरक्षा की बात कुछ नहीं है। अच्छे कंपनी चलाईये तकनीकी नियमों का पालन कीजिये। सार्वजनिक मंच में आपने बुलाया हम आये तकनीकी बात बताये और मेरी सुरक्षा में लगे साथियों के पैसे भी आप खा लेंगे ऐसा नहीं होगा। हां या नहीं बोलिये? बाकी साथियों की सुविधा के लिये अपनी बात यहीं तक रख रही हूं लेकिन आप वेलफेयर में सीएसआर के पैसे डालेंगे नहीं तो हम गांधीवादी तरीके को जरूर अपनायेंगें। मैं लिखित रूप में दे रही हूं। मुझे पावती दिला दीजिये। धन्यवाद।

301. उमेश प्रधान, सराईपाली – हमारे क्षेत्र में उद्योग आया है तो सभी आदमी के पास पैसे और रोजगार का दिक्कत नहीं है। आप लोग के जैसे हमारे ग्रामीण भी एसी कार में चलते हैं उद्योग के चलते। इस जनसुनवाई का मुनादी करवाये। आज सब लोग यहां आकर समर्थन कर रहें हैं। राजेश त्रिपाठी जब मैं 6 साल का था तब हमारे गांव आये वो हमारे पिता समान है। मैं राजेश त्रिपाठी महाराज से माफी मांगता हूं वो वनवास आदमी नहीं हैं हमारे बीच के ही क्षेत्रीय व्यक्ति हैं। सराईपाली, देलारी, भुईकुर्री, बरपाली गांव में एक मात्र ऐसा उद्योग रायगढ़ इस्पात जिसके प्रबंधक कमल अग्रवाल उनके मैनेजर श्री पण्डा जी हर व्यक्ति के सुख–दुख में आगे हैं। उद्योग को जितना लगाने का अनुमति देंगे उतना ज्यादा क्षेत्र का विकास होगा। जमीन के एवज में जमीन मिल जायेगा जिसमें हम खेती किसानी कर लेंगे। बेजरोजगारी और पैसे का समस्या नहीं है। जमीन स्तर का मीडिल क्लास आदमी समर्थन कर रहा है। वक्ता के बात को न सुनते हुये क्षेत्रीय लोगों के बात को आप एनजीटी तक पहुचाईये। फ्लाई ऐश नहीं मिलता ब्रिक्स प्लांट के लिये माननीय मुझे दिला दीजिये यहां से जाकर सरिया में ईंटा बनेगा। उद्योग से थोड़ा पर्यावरण प्रभावित है तो रोजगार भी है। एक ऐसा प्लांट है जो हर साल एग्रीमेंट करते हैं वो आज इस क्षेत्र के विकास के लिये प्लांट लगा रहे हैं सर। देलारी, सराईपाली, गौरमुड़ी में ऐसा घर नहीं है जिसमें नौकरी न हो। इन उद्योग के माध्यम से गरीब कन्या विवाह एवं ईलाज हेतु गांव के लोगों को बाहर लेके जाता हूं। हमारे क्षेत्र में और उद्योग लगवा दीजिये जो जमीन हमारी बची है उसमें भी उद्योग का विस्तार करवा दें। बंजर भूमि पर इन्होने उद्योग लगाया जिस पर खेती ज्यादा नहीं होती थी। रायगढ़ का विकास कार्य और पण्डा जी का हमेशा सहयोग के लिये तत्पर रहते हैं। मेरे पीछे जो लोग हैं वो उद्योग के रोजगार के भरोसे हैं न की गवर्नमेंट के भरोसे। मैं विकास के लिये उद्योग का समर्थन करता हूं। मैं मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन करता हूं। जय हिन्द, जय भारत, जय छत्तीसगढ़।

302. अनुराग, सराईपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

303. सुनील राठिया – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

304. कबीर सोनी, – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

305. बसंत, सराईपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

306. चंद्रहास, सराईपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

307. जनक, सराईपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

308. रामकुमार, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

309. विपिन कुमार डनसेना, चिराईपानी – कल की बात हो आगे लेके जाता हूं पर्यावरण अधिकारी को मैने कहा था हम जो पानी पीते हैं उसका व्यवस्था की जाये। हम जो पानी पीते हैं उसको आप भी पी सकते हैं। जल प्रदूषण के बारे में एनआईटी आईआईटी के बारे में बहुत चिल्लाते हैं। मैं कम पढ़ा लिखा किसान हूं मुझे उन सारी बातों का ज्ञान नहीं है। ये मेरे गांव का पानी है इसका जांच करवाईये और बताईये ये नहाने लायक है कि नहीं अभी आपको पता चल जायेगा। ये पर्यावरण का मामला है मैं फैक्ट्री का नहीं पर्यावरण का विरोध कर रहा हूं। इस पानी को रखिये क्यों साथियों इसको रखना चाहिये न? मेरी बात को नोट करें पूरा पंडाल का समर्थन है। करबद्ध प्रार्थना है इसे स्वीकार करें मैं ही नहीं सभी लोग कह रहें हैं। हम गरीब लोग है गांव में रहने वाले है। हमारी दुर्दशा में समझे हम कैसे जीवन जीते हैं उसको देखें एक बार एक बार इससे मुंह धुलवायें। कल भी मैने पानी की व्यवस्था के बारे में कहा था हम रोज हमारे गांव शिवपुरी का पानी पीते हैं आज एक दिन आप पी लीजिये। स्वीकार कीजिये सर। मैं किसी कंपनी का विरोध नहीं करता खेती करता हूं जीता हूं। मेरी आत्मकथा बताऊंगा आपको सुनना पड़ेगा एक किसान का आत्मकथा। मेरा मांग गलत है तो बताईये सर। मैं तो केवल दे रहा हूं करबद्ध निवेदन है। मेरे एक एक बात को नोट करें मुझे इसकी कॉपी चाहिये। 1001 बार निवेदन है स्वीकार कीजिये गरीब का निवेदन है स्वीकार कीजिये। मैं गलत बोल रहा हूं तो बताईये सर नही तो स्वीकार कीजिये। मैं आपको दे रहा हूं सर इस गरीब को भेंट स्वीकार कीजिये। सुदामा का प्रसाद भगवान ने स्वीकार किया मैं गरीब हूं सर मेरा भेंट स्वीकार कीजिये। पर्यावरण अधिकारी आपसे मेरा कोई नाजायज मांग नहीं है मैं तो आपको दे रहा हूं। मेरे पास रूपये पैसा नहीं है गरीब के घर में एक गिलास पानी दिया जाता है वही दे रहा हूं सर स्वीकार कीजिये। (पीठासीन अधिकारी – आपसे अनुरोध है कि पर्यावरणीय जनसुनवाई जारी है प्रस्तावित परियोजना के संबंध में जो भी अपने विचार टीका–टिप्पणी रख सकते हैं यदि आप कोई सैम्पल देना चाहते हैं तो पर्यावरण अधिकारी को आवेदन के साथ कहां का सैम्पल है? दे सकते है। पर्यावरण अधिकारी जांच करेंगे। आपसे अनुरोध है आप अपनी बात रखने का कष्ट करें।) मैं 05 एकड़ का किसान हूं जल, वायु प्रदूषण और बेरोजगारी पर बात करूंगा। साथियों आप साल में कितने बार महुआ बिनते हैं। एक महीने। (पीठासीन अधिकारी – आपसे

अनुरोध है कि जो भी बात कहेंगे माईक के सामने देखते हुये कहेंगे ताकि पंजीबद्ध किया जा सके) और आज हम कितने दिन महुआ बिनते हैं भाई। एक हफ्ता। यहां से बेरोजगारी बढ़ी। पत्ता कितने दिन तोड़ते थे? 3–4 दिन। जहां पूरे 01 महीने तोड़ते थे आज बेरोजगार हैं। दो महीना तेंदु, चार, ढोरी मे किसान लगातार 4 महीने व्यस्त रहते थे। बोलते हैं काम दिया कितनों को दिया? एक घर से एक जबकि बच्चा बुढ़ा सभी तेंदु, चार, ढोरी काम में व्यस्त रहते थे। ये बेरोजगार कहा जायेंगे सरकार या उद्योग के पास? ये बेरोजगारी का आलम हुआ। मेरा 05 एकड़ जमीन है किसी भी उद्योग को दे दें मै रहना नहीं चाहता ऐसे गंदे क्षेत्र में। मैं धरती पर बोझ बनकर जीना नहीं चाहता। मेरी जमीन सरकार अधिग्रहण कर ले मैं अब यहां रहना नहीं चाहता। मैने 02 एकड़ में उड़द लगाया पटवारी और कृषि अधिकारी से पूछ लीजिये। मैं प्रदूषण की मार बता रहा हूं खाद डाला बीजा डाला हल चलाया सब किया पाली डाला फसल लहलहाई मेरा दिल बागबाग हो रहा चलो कर्जा छूट जायेगा। कुछ दिन बाद सारे पत्ते मरने लगे। मैं भरी गर्मी में रायगढ़ गया कृषि अधिकारी के पास वो हाथ खड़े कर दिये हम कुछ नहीं कर सकते। क्यों नहीं कर सकते? ये तो प्रदूषण की मार है। इससे और ज्यादा प्रदूषण चाहिये तो और फैक्ट्री लगाया जाये। अगर इतना में संतुष्ट नहीं हो तो और प्लांट लगाओं और विकास करों ताकि और प्रदूषण हो। ये है हमारी आत्मकथा। हमने बोर कोड़वाया 250 फीट एक महीने बाद पानी नहीं दिया खतम। भू जल का उपयोग हम कैसे करेंगे हम खेती कैसे करेंगे? मैं आवेदन देता हूं मुझे नौकरी करना है, मैं झाड़ु लगाने के लिये तैयार हूं आप बोलें इन्हे ये मुझे नौकरी दें। मेरी खेती चौपट हो गई तो मुझे नौकरी लगा दीजिये। आत्महत्या कर लूंगा सरकार और उद्योग के नाम से लेकिन मांग के नहीं खाऊंगा। आत्महत्या कर लूं? 64 साल हो गया क्या करूं जीकर मैं इस धरती का भार हूं मैं। मैं क्या करू मेरे पास काम नहीं है उद्योग के पास नौकरी के लिये जाऊं तो उनके पास दलाल हैं आप बोलो तो मैं रिकार्ड दिखाऊ मेरे पास है। भारतीय साक्ष्य नियम से बात करूंगा। ये कह रहे हैं हम रोजगार देते हैं मैं काम करूंगा मुझे दें नौकरी। माल ढोवाई का एवं अन्य काम दें बहुत काम हैं उद्योगों में। ये बाहर के लोगों को रोजगार देंगे मुझे नहीं देंगे। मैं क्या काम करूं? खेती नहीं, महुआ, डोरी नहीं है। पहले तेल खाते और बेचते थे लेकिन आज 200 रूपये में आधा लीटर तेल आता है। मेरे लिये क्या व्यवस्था है? रोजगार की बात होती है मैं मांग रहा हूं मुझे दीजिये। बिजनेस करने जाऊं तो समस्या रायगढ़ एसबीआई बैंक गया था तो बोले 05 एकड़ में 40000 रूपये लोन देंगे इतने में तो एक बकरा नहीं आता है तो कौन सा धंधा करू मैं? कैसे जीऊंगा? कहां से रोजगार मिलेगा? खेती नहीं, महुआ, डोरी नहीं है, उद्योग काम नहीं देंगे। कोई मार्ग दिखाईये। ध्वनि प्रदूषण पर आता हूं। मेरा घर सड़क किनारे है पहले कम शांति से सोते थे अब उद्योग के वाहन चल रहें हैं जैसे तैसे एक घर बनाया वो भी दरक गया है भारी वाहनों के आवागमन से। ये भी नहीं पता कोई आलूछाप ड्राईवर मेरे घर में गाड़ी घुसा दे और जय सिताराम। सब आलूछाप ड्राईवर हैं लेकिन उसकी जांच नहीं होगी। दिन को काम नहीं, सोनें

में आराम नहीं, घर दरवाजा टूट रहा है, हॉर्न इतनी तेज चलती है आप कैसे भी सोये रहेंगे आप उठ जायेंगे। मैं कलार हूं दारू बनाना हमारा पेशा है मुझे अनुमति दी जाये मैं दारू बनाकर जीऊंगा और करोड़पति को अपने नीचे रखूंगा। आपके मुख्यमंत्री मुझे झण्डा दिखा दिये नही कर सकते। दारू बनाऊंगा तो पुलिस वाले पकड़कर ले जायेंगे। मैं अपने जीने का रास्ता मांगता हूं आपसे। जल वायु ध्वनि प्रदूषण बताया अब बताता हूं कि उद्योग को रवैया किसी दूसरे का एक्सीडेंट को अपने ऊपर थमाते हैं, दबाव डालकर तुझे पैसा देंगे और जेल से आयेगा तो नौकरी देंगे, बेचारे परिवार पालना है सोंचकर जेल चले जाते है। मेरे पास प्रुफ है इसे तो देख सकते हैं आप? हमारी बिटिया सविता रथ जैसे बोल रही थी तानाशाही के बारे में वैसे ही एक मजदूर को प्रतिमाह 10000 रूपये एवं 10000000 रूपये देने का इकारारनामा था। कोर्ट में केस का फैसला होने के बाद आज तक एक रूपया नहीं दिया गया है। ये उद्योगवाले कैसे फर्जीवाड़ा करते हैं ये उसका जीता जागता उदाहरण है। जल वायु ध्वनि प्रदूषण कृषि उद्योग का मनमानी के बारे में बताया अब क्या करू? समाधान क्या है? एक शब्द गलत है तो मुझे सजा दीजिये मैं तैयार हूं। इस प्रदूषण में जीने का शौक नहीं है। मैं आत्महत्या कर लूं? रोजगार देंगे? फर्जीवाड़ा से मुक्ति देंगे? मैं क्या करूं? नौकरी दे दें मेरा पेट तो चलेगा। महुआ डोरी से हम बेटे बेटियों का शादी छट्ठी आदि कार्य करते थे। आप क्या सोचते हैं? इस साय साय सरकार से पैसा मांगने जाऊ जी नहीं। मर जाऊंगा लेकिन मांग के नहीं खाऊंगा। 1000 रूपये 30 किलो चावल साय साय सरकार को मुबारक हों। काम करूंगा लेकिन गलत काम नहीं करूंगा। कोई भी काम दिला दीजिये। मुझे सब मंजूर है। जीना मरना काम करना मंजूर है। यहां एक कुर्सी रख देते बुजुर्ग बैठकर अपनी राय दे पाते। मैने एक मांग कल रखा था सीएसआर का कितना पैसा मेरे गांव कितना खर्च हुआ कहां है वो रिकार्ड? पहले जनसुनवाई में मैं सुनता आ रहा हूं कि दिन में 55 हजार ईंटा बनता है हम 50 हजार मान के चलते हैं महीना में कितना बना 15 लाख ईंटा। साल का करोड़ 70 लाख तो इस ईंटा को कहा खर्च किया? जीएसटी नंबर दिखाये कहां खर्च किया? इतने में पूरा रायगढ़ शहर ईंटे का घर बन जाता। किसी के यहां शेड तो छप्पर का घर है। बेड मटेरियल लेने जाते हैं तो इनके जीएम सीएम पता नहीं कौन हैं कहते हैं हम अपने अधिकारी रखे हैं उनको बेचेंगे। तो ये हमें बेड मटेरियल भी नहीं देते तो बताये कि ये नौकरी कहां देते हैं? हम फ्री में नहीं मांग रहें पैसा दे रहें वही बेड मटेरियल आज से 05 साल पहले हमारे घर में फ्री में देते थे आज कंपनी में 250 रूपये टन दलाल के पास 300 रूपये टन 50 रूपये टन को दलाल मैनेजर खाते हैं। हमें मिट्टी ढोने बेड मटेरियल ढोने का भी काम नहीं मिलेगा। फैक्ट्री लगाये अच्छी बात है लेकिन इन समस्या को दूर करके लगाये जाये। आज तक रोड में 10 साल हो गया न डामरीकरण हुआ न कांक्रीटीकरण हुआ। सीएसआर में कही का भी रोड नहीं बना। मुझे क्या मिला प्रदूषण, गंदा पानी, काम नहीं, अनाज नहीं। सरकार भिखमंगा समझ के 1000 रूपये दे रहा चावल दे रहा है मुझे कुत्ता समझ रहा है ये सरकार। मैं

Asaly

किसान भी स्वाभिमानी हूं। किसान मेहनत करता हैं अनाज उगाकर अपने परिवार सहित 10 और परिवार को पालता है। मुझे रोजगार दिला दीजिये। बूढ़ा आदमी हूं कमर दर्द होता है ज्यादा समय खड़े नहीं रह सकता। मेरा कोई बात या मांग नाजायज है तो बताईये? भरी समाज में मैने बताया कि रोजगार छिना गया है। सरकार को इस बारे में विचार किया जाना चाहिये कि नहीं? और सरकार का हाथ पैर आप ही हैं महोदय जी। आप जैसा लिखेंगे ऊपर बैठा अंधा कानून वैसा करेंगा। आप गरीबों का पेट मत मारिये। जनसुनवाई में विरोध और समर्थन का कारण बताया जाये तभी उसका बात जायज होगा मैं ये मांग रखता हूं नोट किया जाये। और भी बता सकता हूं वक्ता नहीं हूं लेकिन आत्मपीड़ा के कारण और 3 घण्टा बोल सकता हूं। मैं क्या करू? आपकी ईजाजत हो तो बैठ के बात करूं? क्या मेरी मांग गलत है? सही गलत कुछ तो होगा न? प्रदूषण के बाण मुझे लग गया है भीष्म पितामह जैसे बाण पर मैं भी सो जाऊंगा मुझे ये भी मंजूर है। लेकिन भीष्म पितामह की उपाधि दें। मैं क्या करू? बेरोजगारी खेती के लिये आप क्या कर रहें हैं? कुछ तो बता दीजिये? मैं सब में तैयार हूं। प्लांट को लिखिये सर इनको काम दिया जाये। घर में दुकान नहीं है मेरा या तो मुझे 10 करोड़ रूपया दें ताकि मैं उद्योग लगाऊ नही तो जमीन ले लीजिये। मुझे एक राज दिखाईये जीने का? क्या करू मैं? आप जैसे कहेंगे मैं तैयार हूं। प्रदूषण का जांच होगा बस इतना बोल दीजिये काम न दे तो मैं सुखी रोटी खाकर जी लूंगा। लच्छादार भाषण नहीं आता किसान हूं। किसान के समस्या का समाधान कर दीजिये। (पीठासीन अधिकारी – पर्यावरणीय जनसुनवाई कहती है आपसे अनुरोध है यदि पर्यावरण के विषय में और भी आपको कोई बात रखनी हो रख सकते हैं सभी लोगों के विचार रखने के उपरांत जो प्रस्तावित प्लांट है उनके प्रतिनिधी आप सबके द्वारा उठाई गई विषयों का उत्तर उनके द्वारा दिया जाना है पूरी कार्यवाही जो भी यहां कहां जा रहा है या जो भी आप आवेदन पत्र दें रहे हैं कार्यवाही विवरण में इसका उल्लेख किया जा रहा है और ये कार्यवाही विवरण यथाशीघ्र छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल और भारत सरकार वन एवं पर्यावरण मंत्रालय को प्रेषित किया जायेगा। आप अपनी बात कृपया रखने का कष्ट करें) इस बात का उत्तर मिल जायेगा लास्ट में कि मुझे नौकरी मिल रही है या नहीं? क्या होगा उस जल का जिसको हम रोज पीते हैं उसमें नहाते हैं? कैसे उसका शुद्धि होगा? मेरा निवेदन है उसमें एक बार मुंह धो लीजिये। कौन करेगा निदान? सरकार के अंग है आप आपसे सारे काम होंगे। मैं आर एस फैक्ट्री की बात नहीं कर रहा और 4 फैक्ट्री लगाई जाये कोई दिक्कत नहीं मुझे लेकिन ये प्रदूषण नहीं होना चाहिये। अगर प्रदूषण हो रहा है तो इसका निदान क्या है ईएसपी लगायेंगे बोल रहे आप रात में 12 बजे आईये देंखेंगे पूरा प्रदूषण छाया हुआ है। मुझे नौकरी मत दीजिये एक रोटी खायेंगे लेकिन लड़ेंगे। इस प्रदूषण का क्या होगा। मेरा एक और कठोर मांग है नहीं तो मुझे यहां चिरफो आंदोलन चलाना पड़ेगा यहां पर। यहां कितने पेड़ है उसकी वीडियोग्राफी हो फिर प्लांट लगाये हम अपने खेत का पेड़ पटनी बनाने के लिये ले आते हैं तो वन विभाग हमें कहां से लाये हो बोलकर ट्रैक्टर सहित जप्ती कर

देता है। यहां पर झाड़ी लिखा गया है यहां कोई पेड़ नहीं है? प्लांट के रिपोर्ट में 5000 सरई पेड़ दिखाया जा रहा है मैं दिखाता हूं यहां 50000 सरई के पेड़ है। इस पर्यावरण का रक्षा कौन करेगा। आज के डेट में बच्चा रोता नहीं तो मां दूध नहीं पिलाती इसलिये हम आपके बच्चे हैं आपके सामने रो रहे हैं। बचाने के लिये किसी युग में ईश्वर नहीं आता इंसान को ही अपना कदम उठाना पड़ता है। कौन से उपाय से प्रदूषण रूकेगा। रात भर प्रदूषण के वजह से बादल काला और सुबह प्रदूषण होता है। हम उसमें क्या फसल लगायें। ध्वनि प्रदूषण का क्या होगा क्या ट्रक ड्राईवर का लाईसेंस चेक होगा। आलूछाप रिजल्ट देकर नौकरी लग जा रहें हैं सर। हम सिर्फ आवाज उठा सकते हैं। इतने मौते हो रही है उनको गाड़ी चलाना नहीं आता हॉर्न ऐसे बजाते है कि कान के पर्दे फट जाये। प्रदूषण खाने और गंदे पानी पीने का हम ठेका लिये हैं। जो हजारों टन कोयला जल रहा उसकी धुंआ कहां जायेगा आसमान में। पानी नहीं गिर रहा प्रदूषण के कारण। अपने लोग हमें लूट रहे। अपने लोग ऐसे लोगों का साथ दे रहें हैं। ये महामारी कैसे रूकेगा? कि बस हम चिल्लाते रहेंगे। सविता रथ, जयंत बहिदार जैसे और आ जायेंगे तब क्या करेंगे आप लोग? जल, वायु, ध्वनि प्रदूषण का उपचार हो लोग एक्सीडेंट से न मरें। इसका निदान तो हों। क्या उन ट्रक के ड्राईवरों को जांच करेंगे जिससे लोग अकाल मृत्यु से बच पायें। साथियों क्या मेरी मांग गलत है? हम पहले साल भर बरी बनाकर खाते थे आज काला हो जाता है हम गरीबों का एक सब्जी छीन लिया गया। इस प्रदूषण से पुटु नहीं हो रही। इतने सारे फैक्ट्रियों द्वारा कहां–कहां स्वास्थ्य शिविर लगाया गया? उसकी रिपोर्ट कहां है? कितनी महिला पुरूषों को स्वास्थ्य लाभ हुआ ये तो बता दें? प्रदूषण की जांच होती है तो कहां है रिकार्ड? कब होती है जांच? पेपर मे सब हो रहा। पब्लिक मरे तो मरे उसके परिवार का जाता है हमारा क्या जाता है? यहां नियमित जांच हो रहा है तो फैक्ट्री लगना चाहिये लेकिन स्वास्थ्य जांच भी तो हो। मेरे को कही के प्रदूषण से कुछ लेना देना नहीं है मैं मर रहा हूं मुझे कौन देखने आ रहा है। अगर प्रदूषण नहीं है तो जांच की आवश्यकता क्यो पड़ी? क्यों शिविर करते हैं प्रदूषण नहीं तो डॉक्टर को क्यो बैठा रखा है? समस्या नहीं तो समाधान क्यों कर रहे हो? सौतेला व्यवहार करते हैं आप लोग तमनार रोड में रोज झाडू लगता है यहां के लोग मुर्गा हैं क्या? यहां गरदा नहीं उड़ता है क्या? मैने आपको कल हो था स्मरण कराता हूं यहां से आप रायगढ़ जायेंगे तो प्रदूषण देंखेगे, बेड मटेरियल कहां फेंका है देखा? गेरवानी से रायगढ़ तक एक इंच जमीन खाली है क्या? ट्रक वाले राख को खेत में फेंक दे रहें हैं दिन को पहरेदारी करेंगे तो रात को खायेंगे क्या? इसके ऊपर कब कार्यवाही होगी? फ्लाई ऐश पाटने का अनुमति मैने भी अपनी जमीन पर चाहा तो यह कहकर निरस्त कर दिया गया कि डेम किनारे है करके तो बाकी राख डेम किनारे कैसे पड़ा है? प्रदूषण का अधिकार किसने दिया? हम राख पाटे तो मिट्टी डाल करके चमकाते हैं और केस करते हैं जिंदल ने प्रकृति का हनन कर राख का पहाड़ खड़ा कर दिया है इस पर किसी की आंख नहीं जाती है। समय ककरों नहीं दोस्त गोसाई इसलिये लिखा था तुलसीदास वो

सामर्थवान है क्षमतावान है जब चाहे पार्टी बदल देता है। हमारे खेत में फ्लाई ऐश पाटने का वैधानिक रूप से अनुमति प्रदान करें ताकि हम उनसे पैसा लेकर अपना घर चला सकें। हमें भी अनुमति मिलना चाहिये? अपनी जमीन पर जो कि डेम के किनारे हैं वहां बोर में पानी नहीं दे रहा है तो मैं उस जमीन का क्या करूंगा? सूचना का अधिकार लगाऊंगा कि एक फैक्ट्री में कितने कितने बोर है। एक एक फैक्ट्री में 20 से 40 बोर हैं। कहां से आयेगा जल सब पी जा रहे हैं भस्मासूर की तरह। फैक्ट्री में काम करने वाले शाम को घर आते हैं तो उनका बच्चा नहीं पहचान पाता उनको। कौन सुनेगा हमारी समस्या। फैक्ट्री के कर्मचारी हमारे खेत में शौच करते हैं फैक्ट्री में शौचालय की व्यवस्था भी नहीं है। यह है सरकार की नीति? चलिये मेरा खेत दिखाता हूं इतना गंदा की आप चल नहीं पायेंगे। इसका कारण है ये उद्योग। इनके फैक्ट्री जायेंगे तो परमिशन लगेगा चमकायेगा हमको। और चोर से दोस्ती करके सरिया देकर कहता है मुझे भी देना आधा। मिलने जाओं तो पर्चा बनायेगा किससे मिलना है भैया चोर नहीं गांव का हूं काम मांगने आया हूं। किस गांव में कितने लागों को रोजगार दिया गया है। न पानी हवा भोजन है। हम जंगल से लकड़ी लाये तो वन विभाग पकड़ के ले जायेगा गाड़ी भी जप्ती कर लेगा और ये जंगल की लकड़ी काटकर ला रहें हैं इसकी चौकीदारी कौन करे सर। उद्योग के आदमी ही जा रहे बाहर क्यों जा रहे उद्योग रखे अपने उद्योग के अंदर उनको। उनको कोयला गैस ऑक्सीजन सब कुछ दे। हवा पानी प्रदूषण अनाज नहीं बचा काम नहीं दे रहें है ऐसा कौन सा क्षेत्र बच गया है सर जहां प्रदूषण की मार न हो। अभी अपने नांक में उंगली डालों अभी काला निकलेगा। इसके लिये निदान नहीं है। इसके लिये प्लांट के साथ सरकार जिम्मेदार है। हमारे लोग काम करेंगे। तुलसीदास ने कहां है क्यों चुप बैठे हो तुम पर कर सकते हो हममे से किसी को हनुमान का रोल निभाना पड़ेगा। लोगों को जगाईये सर हम क्षमता अनुसार सहयोग करते है लेकिन आपके सहयोग बिना ये संभव नहीं है। क्या हमारी आने वाली पीढ़ी को बरबाद कर दें? कल को हमारे संतान जवाब मांगेंगे तो हम क्या जवाब देंगे? प्रत्येक को जवाब देना पड़ेगा। ऊपर जाके जवाब देना पड़ेगा। जवाबदारी से बचने के लिये हम क्या करें? क्या उपाय है हमारे पास? और उद्योग लगाओं पर प्रदूषण से समस्या दिलाओं। मैं इनको अपना जमीन दूंगा मंगोगे 40 एकड़ तो मैं कहा से दूं मेरे पास 05 एकड़ है। हम जमीन देने काम करने झाड़ू मारने का तैयार हैं कब काम मिलेगा? सरकार पता नहीं क्या कर रहा है? साय साय चल रहा है तो साय साय प्रदूषण हट जाये हमें काम मिल जाये साय साय जनसुनवाई हो जाये। आपसे ही कुछ होगा हमसे नहीं होगा वायु जल ध्वनि प्रदूषण रूकेगा अन्यथा यथावत प्रदूषण बढ़ेगा मृत्यु होगा आज 2 कल 4 परसों 6 मरेंगे। कितने स्कूल खोलें है। बच्चे ज्यादा मास्टर कम है। इसका निदान है। स्कूल में प्लांट वाले शिक्षक क्यों नहीं देते? यहां शिवपुरी में दो शिक्षक हैं क्यों एनआर एवं अन्य प्लांट वाले यहां एक एक शिक्षक नहीं देते। यहां के बच्चे शिक्षित हो गये तो राजनेता के बच्चे क्या करेंगे? वो तो बिना परीक्षा के डॉक्टर एसपी कलेक्टर बन जाता है। हमारे बच्चे पढ़ लेंगे तो इनके बच्चे भिखमंगे हो जायेंगे

इसलिये नहीं होने देते हैं। प्लांट वाले स्कूल को टीचर दें पानी शौचालय की व्यवस्था करें शिवपुरी का स्कूल टूट रहा है पिछला सरकार से नया सरकार आ गया पता नहीं कब बनेगा उसे प्लांट वाले बनवा दें। उद्योग लगे पर व्यवस्था होनी चाहिये सर। इनके उद्योग में घुटने तक कीचड़ है पानी गिरा है वहां का पानी खेत में जाकर फसल खतम करता है नाली बनाये नहीं है सीएसआर का पैसा कलेक्टर साहब के पास जमा है वो जाने बनायेंगे या नहीं? प्रदूषण और बीमारी खाने के लिये हम हैं? हम सब मरें और ये लोग राज करें। व्यवस्था के बारे में सुन के कान पक गये पर उद्योग वाले करते नहीं हैं? हमारे घर में नल बोर लगवाये हम भी साफ पानी पिये क्यों नहीं होता है व्यवस्था? हम कुऐं का पानी पिये केलो नदी में नहाये? अमृत मिशन पानी किसी के घर में नहीं बस नल लगा है। पानी का टंकी रात भर खुला है जिसमें राख गिर रहा है फिर पानी सभी के घर में जा रहा है ये प्रदूषित पानी है। स्वच्छता अभियान में साफ करों और सरकार फैक्ट्री को कह रहा है तुम गंदा करों। कौन करेगा व्यवस्था। यहां का फल अनाज खा रहे यहां से दिन दोगुनी रात चौगुनी तरक्की कर रहें हैं। एक से दो फैक्ट्री हुआ कोयला खदान बनाये विद्युत घर बनाये। जहां का खा रहे वहां खर्चा करें? पानी का व्यवस्था कौन करेगा? नाली व कचड़ा कौन साफ करेगा?सीएसआर का उपयोग करके साफ करायें। उद्योग वाले गंदा कर रहें है साफ भी उद्योग वाले करेंगे। अटल बिहारी बाजपेयी जी कहते थे मेरा कदम ठोस है पर उठे तो सही इसी प्रकार कदम कौन उठायेगा? प्रतिपादन कौन करेगा? हजारो टन कोयला जलता है इसका तपन कहां जायेगा? रायगढ़, रायपुर या दिल्ली जायेगी? हमारे गांव के जनता झेलेगी लेकिन हमारे लिये कोई व्यवस्था नहीं है। जल वायु सड़क शिक्षा स्वास्थ्य किसी की व्यवस्था नहीं सबको मार दीजिये मैं कहता हूं मुझे अनुमति दें सबके बदले मैं अकेला आत्महत्या कर लेता हूं। आप लिखिये आपका दायित्व है लिखना मैं एनजीटी दिल्ली भोपाल जाके सुनुंगा जवाब। या तो मूर्ख हूं या अतिरिक्त इच्छा वाला हूं जाउंगा माने जाउंगा 05 एकड़ जमीन बेच दूंगा मैं तो बर्बाद हूं लेकिन इनको भी नहीं छोडूंगा। मै फैक्ट्री का दुश्मन नहीं लचर व्यवस्था का दुश्मन हूं। प्रदूषण का दुश्मन हूं। उद्योग ने हमारे संस्कृति पर अपूर्णिय क्षति की है इसका इस जीवन में पूर्ति नहीं होगा। सब पहले संग में खाना खाते थे आज सब मोबाईल में लगे हैं बाप बेटा बेटी कोई किसी को नई पहचान रहा है। सरकार कहती है आदिवासी एवं अन्य कल्चर बचाओं और 1001 अन्य कल्चर के लोगों के आने से हमारा कल्चर समाप्त हो गया। हम रथ यात्रा करते थे गिल्ली डण्डा खेलते थे खुल के इन्जॉय करते थे अब तो न गिल्ली है न डण्डा है। ये संस्कृति चौपट हो गया ये उद्योग का दुष्प्रभाव है। हमारी संस्कृति को कौन बचायेगा। कौन बोलेगा? आप सरकार के हाथ पांव आंख नांक कान है आप नहीं आप इस मुद्दे को नहीं उठायेंगे तो कौन उठायेगा? हम मांग कर सकते हैं आप हमारे मालिक है सब कुछ हैं। किसके पास जायें हम? ये जंगल जमीन हमारी है हम क्यों उनके पास जायें? हमारी संस्कृति इतनी महान है हम हर किसी को अपना लेते हैं। इस प्रदूषण से बचने का उपाय बता दें सर। उद्योगों से स्कूल के लिये टीचर

व्यवस्था करायेंगे? क्या प्रतिहफ्ता स्वास्थ्य केन्द्र लगवायेंगे? क्या पानी के लिये व्यवस्था करवायेंगें? वायु प्रदूषण के लिये क्या? व्यवस्था होगी? (पीठासीन अधिकारी – यह लोकसुनवाई ईआईए अधिसूचना 14 सितम्बर 2006 के अधीन आयोजित की जा रही है जो भी बाते आपके द्वारा कहीं जा रहीं हैं वो सभी को पंजीबद्ध किया जा रहा है और कार्यवाही विवरण में उसका समावेश किया जायेगा और जो बाते आपके द्वारा उठाई गई है उसके संबंध में प्रस्तावित प्लाट के प्रतिनिधि द्वारा उत्तर दिया जायेगा) ठीक है सर जब तक संपन्न नहीं हो जाता मैं बैठा हू यहां। धन्यवाद।

310. मीराबाई, गेरवानी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
311. लक्ष्मीन – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
312. पिंकी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
313. साधमती, गेरवानी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
314. सुखमेत – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
315. अनिता – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
316. सरिता – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
317. शांति, गेरवानी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
318. निमती – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
319. शिवकुमार, गेरवानी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
320. तिजमती – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
321. श्वेता, गेरवानी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
322. चंदु, गेरवानी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
323. गीता – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
324. रजनी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
325. महेश्वर मालाकार – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
326. रामप्रसाद – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
327. टेकलाल – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
328. बंधु – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
329. जय, सराईपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
330. सोनू, सराईपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
331. निर्मल – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
332. दुलेश्वर – मेसर्स रायगढ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

Asalu

333. सूरज – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

334. चितराम, जीवरी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

335. चरोगा लाल – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

336. रामसिंह – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

337. मनोज कुमार – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

338. विलासिनी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

339. विजेश्वरी, शिवपुरी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

340. जमनी, शिवपुरी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

341. मोहरबाई, शिवपुरी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

342. तिजमती – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

343. भगवती, शिवपुरी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

344. रत्ना, शिवपुरी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

345. सुभाष, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

346. प्रथम प्रधान – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

347. संजू भोय, सराईपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

348. सरोज, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

349. कौशल, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

350. अनिता, शिवपुरी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

351. मालती, शिवुपरी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

352. रसमती, शिवपुरी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

353. फुलमती, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

354. फुलेश्वरी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

355. रत्नमुखी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

356. भुलाई, शिवपुरी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

357. धनमती – मेसर्स रायगढ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

358. पिंकी, शिवपुरी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

359. ललिता – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

360. नंदकुमारी, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

361. कमला, शिवपुरी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

Asalu

362. वृंदा, शिवपुरी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

363. दसमती – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

364. गुलापी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

365. महेत्तरीन, शिवपुरी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

366. सूरज – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

367. लक्ष्मीप्रसाद, सराईपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

368. टिलु दास – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

369. कान्हुराम, सराईपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

370. रूपेश – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

371. परदेशी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

372. राजेन्द्र, सराईपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

373. संजय, सराईपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

374. ईश्वर, सराईपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

375. यादव, सराईपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

376. दीलिप – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

377. गौधर – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

378. अनुज, गौरमुड़ी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

379. रूपेश – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

380. लेखराम – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

381. नौधा प्रसाद – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

382. श्रीराम – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

383. दूर्गा राठिया – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

384. बसंती, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

385. गुरबारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

386. उमा विश्वकर्मा – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

387. रितु – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

388. प्रकाश त्रिपाठी, लाखा – मैं सभी को धन्यवाद देता हूँ कि आप सब यहा उपस्थित हुये और इस जनसुनवाई को कलंकित किये। जनसुनवाई नहीं अधिकारियों की सुनवाई कहना चाहिये। जितने भी पढ़े लिखे लोग है वो जनसुनवाई को हटाकर इस नाम अधिकारियों की सुनवाई कर लें या यह उद्योग की सुनवाई है। अगर

ये जनसुनवाई है तो जनता की किस बात को यहां सुना गया है बताये 60–65 जनसुनवाई करवा चुका हूं। श्रीमान पीठासीन अधिकारी जब ग्राम चिराईपानी में जनसुनवाई हुई थी रात के 10 बजे तक तब भी वहां उपस्थित थे और 100 प्रतिशत जनता ने नकारा था उस प्रकरण का क्या हुआ? मैं उद्योग का विरोधी नहीं हूं उद्योग से समाज का भला हो सकता है। उद्योग दरिद्रम नास्ते। दरिद्र का विनाश उद्यम से ही हो सकता है। इसलिये पूरे क्षेत्र में उद्योग लगना चाहिये लेकिन जनता को मृत्युलोक पहुंचाकर नहीं इस 10 किमी रेडियस क्षेत्र को आप औद्योगिक क्षेत्र घोषित कीजिये लेकिन यहां के 100 गांव को जहां शुद्ध हवा वातावरण मिल सके वहां स्थापित कीजिये। हवा पानी वातावरण को प्रदूषित करने का अधिकारी शासन प्रशासन प्रधानमंत्री राष्ट्रपति को भी नहीं है ये भगवान ने सबके लिये फ्री में बनाया है। अगर पीठासीन सक्षम नहीं है हमारे गांव में पंचायत होता है कोई बात नहीं मानता तो सरंपच तुम लोग मेरा बात नही मानते मैं नहीं जाऊंगा फैसला करने बोल देता है लेकिन धन्य है पीठासीन अधिकारी इतनी जनसुनवाई में एक भी जनता का हल नहीं निकाला केवल मूक गूंगा होकर बैठे है। इसलिये जनता से निवेदन है किसी भी उद्योग की जनसुनवाई होनी की नहीं चाहिये। हमारे क्षेत्र के लोग अधिकार देते हैं वो जब चाहे जहां चाहे वो प्लांट लगाये लेकिन शासन को धिक्कार है जनता का दर्द न समझकर मूक बधिर बनकर बैठने का काम करती है। रायगढ़ इस्पात हमारा सहयेाग करता है हम चाहते है वो एक नहीं 10 फैक्ट्री लगाये। 25 गांवो की समिति की तरफ से समर्थन देता हूं रायगढ़ इस्पात को की वह यहां और फैक्ट्री लगाये। लेकिन शासन अंधा गूंगा न बने कम से कम जनता की चिन्ता करें। उद्योग लगने से देश का हमारे क्षेत्र और गांव घर का विकास होगा लेकिन उद्योग को अपनी सीमा रखनी चाहिये उसका काम कौन करेगा शासन और प्रशासन करेगी। कोई 100 रूपया कमाता है तो 110 रूपया कमाना चाहेगा यह मानव प्रवृत्ति है इसलिये उद्योग प्रबंधन भी अपना पैसा बचाना चाहेगा लेकिन शासन और प्रशासन की जवाबदेही है कि वह जनता के लिये कुछ काम करें। हमारे वक्ताओं ने बहुत कुछ कहा हम कितना भी चिल्लायें उसका कोई वैल्यु नही है और अंत में एक आदमी हम प्रदूषण के लिये काम करेंगे क्षेत्र के विकास के लिये काम करेंगे क्षेत्रवासियों को रोजगार देंगे तो उनका मान लिया जाता है। इसलिये कहता हूं आप सक्षम है महत्व को समझे और पढ़े लिखे है तो उस कुर्सी पर है तो उस कुर्सी का इज्जत समझिये। लोगों का पीड़ा कैसे कम होगी उसका जवाबदेही आप पर है न कि उद्योग प्रबंधन की। हमारे विपिन जी ने बोला हमें शराब बनाने की फैक्ट्री खोलने का अनुमति दें तो आपको कहना था इससे जनता में क्राईम बढ़ेगा। स्थापना से जितना उन्नति होता है उतना समाजिक, शिक्षा, रोड एक्सीडेंट से, पर्यावरण अवन्नति भी होती है। आने वाले 10 साल में पानी बाहर से आयेगा और आबादी आधी हो जायेगी। उस समय लोग कहेंगे प्रकाश त्रिपाठी ने पर्यावरण एवं बिमीरियों इत्यादियों का अध्ययन किये थे। आने वाले 10 साल में आबादी आधी हो जायेगी क्योंकि प्रजनन क्षमता खतम हो गई है। पौधो की प्रजनन क्षमता खत्म हो गई आम, आंवला, इमली, हर्रा, बेहरा

इत्यादि नही फल रहे। मानव में भी यहीं होगा। ये सब से हमें पीठसीन अधिकारी बचायेंगे ये सुनने के लिये नहीं निराकरण करने के लिये आये हैं। जितने भी लोगों ने समस्या बोला है उनको ध्यान दिया जाये और समस्याओं का निराकरण किया जाये और उद्योगों का भारी रूप से यहां स्थापना किया जाये। 10 प्लांट लगाये रायगढ़ इस्पात हमें खुशी होगी। मुझे रोजगार की आवश्यकता नहीं मैं ब्राम्हण आदमी 4–5 गांव में मांग लेता हूं मेरा परिवार चल जाता है। पर नवयुवको को रोजगार नहीं मिला तो सराईपाली में एक चाकूबाजी हुआ है हर गांव में एक दिन में 10–10 चाकूबाजी होगी लूट होगी डकैत अपहरण होगा। खाली रहेंगें तो कुछ करेंगे न खाली दिमाग शैतान का दिमाग तो इन समस्याओं का निवारण क्यों नहीं किया जाता? रायगढ़ इस्पात अपना प्लांट लगाये लेकिन मैं समझ चूका हूं शासन प्रशासन से कुछ होने वाला नहीं है। रायगढ़ इस्पात प्रबंधन से मेरा निवेदन है कि आस पास के गांव के लोगों को बुलाये उनका समस्या सुने व उनका निदान करें क्यों शासन अंधा गूंगा लूला लंगड़ा सब कुछ है। वो आम जनता की कभी सुनने वाला नहीं है सुनेगा तो केवल उद्योगों को तो इस कड़ी को ही क्यों न उखाड़ फेंके। अगर रायगढ़ इस्पात आप हमारे बीच फल फूल रहें हैं एक छोटी सी इकाई से आज 3–4 हो गये और 40 लगाये लेकिन कमल अग्रवाल और पण्डा जी से निवेदन है के सरकारी काम अपने ऑफिस में बैठकर निपटायें और क्षेत्रीय समस्या को आस पास के 25 गांवों के समिति से सुनकर समस्या का निदान करें। हमारे क्षेत्र में शिक्षा के लिये शिक्षक और जहां पानी नहीं है वहां पानी की व्यवस्था की जाये, पाठशाला में शौचालय का व्यवस्था करवाईये। हमारा क्षेत्र बीमारी से ग्रसित है हर 100 में से 90 आदमी किसी न किसी बीमारी से ग्रसित है इसलिये इस क्षेत्र में सभी फैक्ट्रियां मिलकर हॉस्पिटल का निर्माण कीजिये। जिंदल जैसा नहीं जहां करोड़पति ही नहीं बल्कि हमारे जैसा गरीब आदमी भी जा पाये। प्लांट में कहा जाता है लोकल लोग कार्य करने के योग्य नहीं है। कमल अग्रवाल जी से निवेदन है कि आपके फैक्ट्री में जितने काम होते हैं यहां के पढ़े लिखे युवकों को आईटीआई टाईप से ट्रेनिंग देने का कार्य करें जिससे वो आपके फैक्ट्री में काम करने के लायक बन सकें। सौतेला व्यवहार बंद करें लोकल लोगों से काम करवाओं 12 घंटा और बाहरी आदमी से पैसा दो आधा ये काम में सुधार लायें। लोगों से 12 घण्टा काम करवाना मानव शोषण का कार्य है। मानव शोषण का काम फैक्ट्रियों द्वारा 12 घंटे 18 घंटे काम करवाकर किये जाते हैं जो कि मानवता के उपर लागू नहीं होते तो ऐसे काम न करें। आवागमन रोड इत्यादि सही नहीं रहते तो उस क्षेत्र का विकास नहीं होता। न जाने कलेक्टर महोदय के पास गेरवानी से सराईपाली मार्ग सुधार का ज्ञापन कई बार दे चुके हैं उसका कुछ नहीं हो रहा। ज्यादा धरना करने पर दो चार ट्रिप डस्ट गिरा दिया जाता है उसका सही उपाय किया जाये। गेरवानी से हाई स्कूल तक उस रोड को कांक्रीटिंग करवाया जाये ये बड़ी समस्या है और बाहरी व्यक्तियों का भर्ती पुलिस से जांच कराकर की जाये क्योंकि प्लांट लगने से लूट मार डकैती ज्यादा हो रही है। बाहरी क्रिमिनल लोगों पर कंट्रोल हो सराईपाली में जो घटना हुई है उसका पुनरावृत्ति

न हो। रायगढ़ इस्पात से निवेदन है कल हमारे वक्ता के उपर घृणित घटना घटी है सक्षम अधिकारियों के होते हुये सभी कंपनी वाले ध्यान दें ऐसी घृणित कार्य दुबारा न घटे। ये सारा दोष उद्योग प्रबंधन का है। दुबारा ऐसी घटना न घटे इसका ध्यान दें। जल प्रदूषण न करें जल ही जीवन है दूषित जल का एक जगह बड़ा तालाब बनवाकर इकट्ठा करें हर जगह न फैलायें वायु प्रदूषण के लिये कागज में ही पेड़ न लगाये जन भागीदारी करते हुये गांव के लोगों से पेड़ लगाये। 1 लाख न सही 100 पेड़ जीवित हो ऐसी व्यवस्था करें क्यों कि पेड़ नहीं होंगे तो इस साल 47 डिग्री था अगले साल 100 डिग्री होगा और लोग मरेंगे इसका उपाय है नीम बरगद कटहल पिपल के पेड़ लगें ऐसे पेड लगाये जो मानव व पशुओं के उपयोग में आयें। उद्योग में भी आदमी है जो समस्याऐं हमें है वो समस्याऐं उन्हे भी है दो चार को छोड़कर जो एसी में बैठते हैं। उनका ध्यान दिया जाये। क्षेत्र में चिकित्सा व्यवस्था होनी चाहिये क्यों कि बीमारी बहुत ज्यादा बढ़ी है और बढ़ेगी जितना उद्योग बढ़ेगा बीमारी बढ़ेगी। जहां विकास होगा वहां विनाश भी होगा। मानव जाति को बचाने के लिये यहां के जनता को अन्यत्र स्थापित करें और पूरे क्षेत्र में प्लांट लगाये या तो यथोचित जो नियम है प्लांट के प्रदूषण को रोंके भारी वाहन के ओवर लोडिंग रोके जिससे एक्सीडेंट होता है। एक व्यक्ति के मौत से उस परिवार के 10 लोग प्रभावित होते हैं। पीठासीन महोदय से निवेदन है तकनीकी सुदृढ़ करें और रायगढ़ इस्पात को उद्योग स्थापित करने के लिये प्रोत्साहित करें। मेरी बात को आप आत्मसात करें और निराकरण करें तो मैं अपने आप को बहुत ही ज्यादा सौभाग्यशाली समझूंगा। जय भारत जय छत्तीसगढ़ जय छत्तीसगढ़ महतारी की।

389. राजेश त्रिपाठी, रायगढ़ – आज की जनसुनवाई में सबका स्वागत है। आज की जनसुनवाई भारत सरकार के गजट 14 सितम्बर 2006 के अनुसार मैने ये प्रश्न पिछले जनसुनवाई 20.03.2024 को भी उठाई थी। भारत सरकार वन एवं पर्यावरण की अधिसूचना में स्पष्ट लिखा है आवेदन करने के 45 दिन के अंदर राज्य सरकार सुनवाई का आयोजन करवायेगा और यदि किसी परिस्थिति में राज्य सरकार जनसुनवाई नहीं करा पाती तो केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय समिति गठन करेगी तो जनसुनवाई करवायेगी। कल समापन के दौरान नायडु दादा जिन्होने ईआईए बनाया कि इस आदेश व गजट का कोई मतलब नहीं है तो मुझे लगा जो 554 सांसद है देश के वों इस प्रकार का कानून बनाते हैं वो बेवकूफ हैं ऐसा कानून नहीं बनाना चाहिये और हम कानून का भी बात करते हैं दूसरे तरफ परन्तु कानून इस बात को मानने के लिये बाध्य नहीं है। एक बात के लिये पर्यावरण को धन्यवाद भी देंगे कि जो जनसुनवाई परियोजना स्थल से 15–20 किमी दूर होते थे जहां लोगों नहीं जा पाते थे अगर ये जनसुनवाई परियोजना स्थल में हो रही है तो देखे लोगों की कितनी हिस्सेदारी है। आज के जनसुनवाई में हमारी व्यवस्था व भोजन दोनों तीन लेयर के हैं। एक बच्चे ने कहां मैं जनसुनवाई में खाना खाने आया हूं ईश्वर में उसके मन की सच्चाई बोलवाई बाकी 90 प्रतिशत लोग भी यही करने आये हैं। भारत सरकार का जो 35 किलो चावल देने का कानून है तो वो बता रही है

कि इस देश की जनता कैसे गरीबी से सूझ रही है। पीठासीन अधिकारी देखें यहां जो बच्चे मां के साथ आये हैं उनमें एक भी स्वस्थ्य नहीं है सब कुपोषित है। कुछ साथी कह रहे थै उद्योग आने से विकास हुआ मेरे मित्र को 25–30 साल से जान रहा हूं उसके पिताजी थे तो उसके पास 07 एकड़ जमीन थी आज उसके पास डिसमिल में जमीन बची है। उस उद्योग को भी जानता हूं जो 04 लोग के साझा से बना था 05 साल में अलग हुआ और 15 साल में उसके तीन और उद्योग हो गये। प्रश्न ये है गरीबी किसकी हटी? गरीब तो और गरीब हो गये लेकिन जिन्होनें गरीबों के संसाधन लूटे उनकी गरीबी जरूर हट गई। मैने कल भी पीठासीन महोदय को बताया था तारकेश्वर नायक पिता हरीप्रसाद नायक, हरीप्रसाद नायक रायगढ़ के राजा के विधि सलाहकार थे और उनको ये गांव गोद मिला हुआ था। यहां 1165 एकड़ जमीन मेरी जानकारी में तारकेश्वर नायक जी की थी जब 1996 में शिवपुरी गांव का मैं स्वतः और हमारे साथ 05 लोग ग्रामीण विकास का सैम्पलिंग लेने के लिये मॉडल बनाने के लिये उसमें जो ग्रामसहभागी समीक्षा होती है रेटिंग होती है समस्याओं की पहचान होती है जब हम ये करने आये तो गांव के लोगों ने कहा हम दूसरों के जमीन में बसे हुये हैं और हम उनकी जमीन की यहां रखवाली करते हैं उसी गांव के 11 आदिवासियो के नाम से 11 जर्सी गाय खरीदी गयी थी तारकेश्वर नायक जी के माध्यम से और गांव लोग गाय चराकर दूध उत्पादन कर बेचते थे और जब गाय मर गये तो गेरवानी बैंक ने लोन का नोटिस उनको दिया जो तारकेश्वर नायक के यहां मजदूर थे उसका रिपोर्ट पढ़ना चाहेंगे तो मेरा स्वतः 1996 में बनाया रिपोर्ट है हमने 40 गांव का रिपोर्ट युएनडीपी के सहायता से बनाया था। मुझे लगा इतनी बड़ी जमीन है ये खुद 02 एकड़ में दूसरे के जमीन में बसे हुये हैं तो मैं स्वयं इस मामले का संज्ञान लेते हुये दस्तावेज निकालते हुये राष्ट्रीय मानवाधिकार को पूरे दस्तावेज के साथ भेजा। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने 1996 में मध्यप्रदेश राज्य अध्यक्ष को मेरे केस को ट्रांसफर करता है उस समय गुलाबचंद गुप्ता राज्य मानव अधिकार आयोग मध्यप्रदेश के अध्यक्ष थे और शैलेन्द्र सिंह साहब रायगढ़ जिले के कलेक्टर थे और हसमंदा उस समय बिलासपुर के कमिश्नर थे। सरकार ने राज्य मानव अधिकार के अध्यक्ष को जवाब दिया कि हमारे जिले के अंदर इस प्रकार की कोई घटना नहीं है। मेरे पास पत्र आया आप आयोग को गुमराह करते हैं आपके यहां ऐसी कोई घटना नहीं है। इसके बाद पूरे तथ्यों के साथ हमने राज्य मानव अधिकार आयोग को हमने जब दस्तावेज भेजा तो 15 अक्टूबर के आस पास राज्य मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष गुलाबचंद गुप्ता रायगढ़ के सर्किट हाउस आये। हमारी ऐसी चौकीदारी किया शासन ने कि ये राज्य मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष से न मिल पाये। उन्होने कहा राजेश त्रिपाठी को बलाईये उनकी शिकायत को ये दस्तावेज है मैने कहा चलिये सर वो गांव आपको दिखाता हूं। उन्हे शिवपुरी लाया यहां 805 एकड़ सिलिंग जमीन निकली यहां के 34 परिवारों को एक एक हेक्टेयर जमीन सिलिंग एक्ट के मुताबिक कि जो भूमिहीन हैं पहले उस गांव के लोगों को फिर पंचायत के लोगों को फिर वहां बगल के जो पंचायत के भूमिहीन हैं

उनको वितरीत करना है। ऐसा करके एक एक हेक्टेयर जमीन 64 परिवारों को सिलिंग एक्ट के तहत् मिला। यहां के पटवारी हैं रायगढ़ देवांगन पहले तो ऋण पुस्तिका दे दिये जब आयोग चला गया तो बोले कुछ लिखा पढ़ी करनी है आप वापस दे दो तो वो पटवारी साहब इसी मामले में तीन बार सस्पेंड हुये। जब वो ऋण पुस्तिका वापस नहीं देते थे तो मैं मानव अधिकार आयोग को एक पत्र लिख देता था। सिलिंग एक्ट के तहत् जो जमीन वितरीत हुई है आप बताईये क्या उसकी खरीदी बिक्री हो सकती है? और वो भी आदिवासी की जमीन गैरआदिवासी के नाम से खरीदी बिक्री हो सकती है क्या? 170 ख के मामले 1556 केस अनुसूचित जनजाति आयोग नंदकुमार साय जी को मैने दिया चार बार दिल्ली अनुसूचित जनजाति आयोग ने मुझे दिल्ली बुलाया और कलेक्टर को भी बुलाया कलेक्टर साहब एक बार भी नहीं गये और 2019 के बाद उसमें क्या हुआ उसकी जानकारी हमको नहीं है। हमने पूछा है उस पर क्या कार्यवाही की जायेगी? आदिवासी जमीन के खरीदी बिक्री का अनुमति रायगढ़ जिले के कई कलेक्टरों ने दिया। बस्तर में आदिवासी जमीन को गैर आदिवसी के नाम पर खरीदी पर वहां के तत्कालीन कमीश्नर श्याम धावे जी उन्होने कलेक्टर के आदेश को निरस्त किया फिर जमीन खरीदने वाले ने हाईकोर्ट गया तो कोर्ट ने कहा आदिवासी जमीन को बेचने का अनुमति देने का अधिकार कलेक्टर को नहीं है और उस रजिस्ट्री को शून्य किया गया। मेरे जिले के अंदर ऐसा नहीं है मेरे जिले के अंदर 1500 हेक्टेयर आदिवासी जमीन की बिक्री का अनुमति कलेक्टर भीम सिंह ने दिया। हरीनायक ने जमीन को बेचा और केस लड़ते लड़ते सुप्रीम कोर्ट चले गये हरीनायक के लड़के ने कहा हमने जमीन नही पेड़ बेचे थे और खरीदने वाले व्यक्ति की दिल्ली सुप्रीम कोर्ट के सामने हार्ट अटैक से मौत हो गई और जमीन तारकेश्वर नायक जी को फिर मिल गई। सिविल एक्ट की जमीन साहेब सिंह वर्मा के दामाद जो हरिभूमि समाचार पत्र के मालिक हैं उनको ये जमीन दूसरी बार बेंची गई। इस खरीदी बिक्री की आज तक कोई जांच हुई नही है। नायडु साहब ने लिखा है यहां छोटी छोटी झाड़ियां है जो कि रिजर्व वन के अनुसार 218 पेड़ एक हेक्टेयर जमीन के अंदर हैं तो उसको रिजर्व फारेस्ट वन बोला जाता है। आप इसका मुआयना करें आगे में गांव है सराईपाली उसका नाम इसलिये पड़ा की सराईपाली के पेड़ बहुत अधिक पाये जाते हैं ऐसी पेड़ आपको दिखाऊंगा जिसकी मोटाई 2.5 मीटर है तो फिर ये झाडियां कैसे हुई? अपने घर के लिये एक पेड़ काटें तो वन विभाग से अनुमति लेना पड़ता है। इतने एरिया जो रिजर्व फॉरेस्ट है जब ये कटेंगे तो इसकी पूर्ति कैसे की जायेगी ये ईआईए में कहीं नहीं लिखी है। लगभग 73 उद्योग यहां है 13–14 तो आपने की कराया है आपकी ईआईए हैं मेरे पास रखी हुई है। इस क्षेत्र के 10 किमी रेडियस के भीतर स्कूलों में पर्याप्त शिक्षक तक नहीं है। गांव वाले जब जाते हैं तो कहते है सीएसआर का पैसा कलेक्टर साहब के खाते में डाल दिये और कलेक्टर साहब तय करते हैं उस पैसे को कहां खर्च करना है गांव के हिसाब से नहीं। 25 कि.मी. रेडियस के अंदर डीएमएफ का पैसा है वो भी नया कानून आ गया कि इसका 70 प्रतिशत प्रभावित क्षेत्र के अंदर

खर्च किया जायेगा। स्कूल में शिक्षण नहीं, आंगनबाड़ी में सहायिका नहीं, अस्पताल में नर्स डॉक्टर नहीं, दवाईयों नहीं हैं। विगत पांच साल के अंदर इस क्षेत्र में एनजीटी ने शिवपाल भगत वर्सेस राज्य सरकार के केस में आदेश दिया कि खनन क्षेत्र के लोगों को हर महीने ईलाज करके दवाईयां फ्री दी जायेगी और अभी तक इस क्षेत्र में कहीं भी लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण नहीं किया गया। आज मैं ईआईए पढ़ रहा था ईआईए में एसआईए का भी हिस्सा है और उसमें इस चालिस गांव के क्षेत्र के अंदर स्कूल व आंगनबाड़ी के बच्चों का कही कोई आंकड़ा नहीं है। शिक्षा जीवन के खाद के बाद ज्यादा जरूरत है। इस क्षेत्र में महिला एवं बाल विकास के अनुसार 39 प्रतिशत बच्चे कुपोषित हैं। यहां तिल चूड़ा का लड्डू केवल कागज पर बांटा गया उद्योग विभाग से पता नहीं क्या क्या खाद्यान्न खरीदा गया सरकार के निर्धारित दाम से तीन गुना ज्यादा में खरीदें कागज में लड्डू बना बच्चे खाकर पहलवान भी हो गये और हकीकत में बच्चों को कुछ नहीं मिला। उद्योग से उम्मीद रहता है सभी को इनको रोजगार मिलेगा पीछे 18 से 30 के युवा बैठें है जो बता रहे थे काम करके घर आके सामान लेने जाते हैं तो रास्ते में लूट होता है मगर वो थाने में जाके रिपोर्ट नहीं करते क्यों कि उनको यहां काम करना है हमेशा। इस कंपनी की क्षमता 693000 टन प्रतिवर्ष इण्डक्शन फर्नेस इसके लिये 19800 वाहन चलेंगे। बिलेट्स 297000 लगायेंगे उसमें 8485 वाहन चलेंगे इन्होने 330000 को रोड प्रोजेक्ट लगायेंगे कहा उसमें गाड़ियां चलेंगी 9128, 28000 का फेरो में 800 गाड़ियां, 108000 फेरो मैग्नीज में 2880 गाड़ी चलेगी, 57600 टन सिलिको मैग्नीज में 1645 गाड़ी चलेगी, 60000 फेरो क्रोम में 1714 गाड़ी चलेगी टोटल 45252 गुणा 2 कीजिये 90504 फिर 76600 ईंट प्रतिदिन को 10 ट्रैक्टर प्रतिदिन 100 ट्रिप करेंगे तो खतम होगा। कंपनी से निकलने वाले राख के लिये ऐश डाईक नहीं है। ईंटा बनायेंगे फ्लाई ऐश से लेकिन एक भी कंपनी नहीं बना रही है। सुप्रीम कोर्ट ने एनजीटी मे रायगढ़ के कलेक्टर और चीफ सेक्रेटरी से एक जवाब मांगा कितने नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत कितने तालाब संरक्षित है सरकार और नगर निगम गोल गोल जवाब दे रही है। आधे से ज्यादा जवाब में बेजाकब्जा से तीन मंजिला मकान बना के रह रहें। एनजीटी टीम आई नगर निगम आयुक्त से डेढ़ घंटे मीटिंग हुआ कचरे का डंप जहां सरकार करती है उसको देखकर होटल मे खाना खाकर कोरबा चले गये। जिन्होने शिकायत की उनके तथ्यों व स्पॉट की जांच नहीं की जाती। एनजीटी की 05 सदस्यी टीम आई थी उसमे मेरे एक मित्र थे मुझे बुलाकर बोले 04 बेईमान एक तरफ हैं और मैं अकेला हूं। उन्होनें जिंदल के सभी कोल माईंस का दौरा किया। कागज में पेड़ लग के लोगों को ऑक्सीजन मिल गया। इंसान पर नहीं बल्कि उसकी निर्मित मशीन पर भरोसा है। लोग कह रहें है उनके खाने में डस्ट आ रहा है। पर्यावरण अधिकारी और कलेक्टर महोदय भी कह रहें हैं मेरे घर का यही हाल है। प्रधानमंत्री अडाणी अंबानी के सामने मजबूर है तो हमारे जिले के अधिकारी उद्योगपति से मजबूर है उद्योगपति धमकी देते हैं काम करों वरना चलो बस्तर। आरटीओ, प्रदूषण, राजस्व कुछ ठीक नहीं है यहां पर। सबसे बड़ा जमीन घोटाला मेरे जिले में है एक एकड़

को 05–05 डिसमिल में 20 भाग करके उसमें मुआवजा लिया जाता है पुर्नवास नियम से 05 लाख रूपये तो एसडीएम को 01 लाख देने में क्या है। पूरे तमनार को रायगढ़ जिले के भ्रष्ट अधिकारीयों ने बेच खाया। उद्योगपतियों ने आधे से अधिक तराईमाल के जंगल में कब्जा किया है और किसी के अंदर हिम्मत नहीं है कि वो जांच कर ले। कहा से बचेगा पर्यावरण कौन बचायेगा। 10 किमी रेडियस के अंदर गांव सामारूमा, आमापाली, सराईपाली नदी के पार जितने गांव हैं वहां ईआईए नहीं गई है। 01 दिसम्बर 2022 से 28 फरवरी 2023 तक जो आपका अध्ययन रिपोर्ट है सब पुराने ईआईए है पर्यावरण भी कहता है ईआईए में 03 से पुराने रिकॉर्ड है तो वह अवैध मानी जायेगी। इस ईआईए में नदी के उस पार का अध्ययन नहीं हुआ है नदी के उस पार भेलवाटिकरा, बरलिया, दनौट भैंसगढ़ी है। हाथी का डेरा है। यहां वन विभाग ने 25 लाख लगाकर समारूमा और झिंगोर के आगे में हाथी वॉच टॉवर बनवाये हैं वहां बोर्ड लगा है हाथी प्रभावित क्षेत्र है। 10 ज्यादा लोग हाथी द्वारा मारे जा चुके हैं 4–5 हाथी करेंट के चपेट में आकर मर चुके हैं यह वन विभाग की रिपोर्ट कहती है। हमारे जंगल में हिरण शेर अनेक प्रजाति के सांप हैं। सरंगा फाउण्डेशन के सागरधार को आप बेहतर जानते होंगे उन्होने 2010 में केलो नदी पर अध्ययन किया था और 2006 में। 2006 से 2010 तक 36 प्रजाति की मछली केलो नदी में मिलती थी अब केवल 15 प्रजाति बची है। एक बार केलो नदी में बहुत मछली मरी हुई मिली हमने शिकायत की पर्यावरण अधिकारी ने जांच कराकर कहा की मछलियां कैंसर के वजह से मरी हैं। आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र होने के कारण मैने यहां के लोगों को घोंघी, मछली, केंकडा खाते देखा है। परंपरागत जंगल से मिलता था तेंदु पुटु खाने के लिये। 36 प्रजाति की भाजी और पुटु मिलते है जिसे हमारे क्षेत्र के आदिवासी लोग खाते हैं वो उनके खाद्य सुरक्षा का हिस्सा है धीरे–धीरे वो प्रजाति खतम हो गई। खेती वनोपज और पशुधन था फसल बेचकर रोजमर्रा के खर्च करते थे। महुआ सराई हर्रा बेहरा यहां था इस तरह जंगल खतम हो रहा है। पहले 15–15 क्विंटल महुआ इकट्ठा करते थे आज 5 क्विंटल कर लिया ता बहुत बड़ी बात है। सराई हर्रा बेहरा गायब है त्रिफला गायब है। किसी जमाने में सराईपाली से हम त्रिफला बनवाते थे पर अब वो चीज नही है। डेवलपमेंट की परिभाषा क्या होना चाहिये? केवल 03 उद्योगपति पूरा दुनिया चलाते हैं अपने फायदे के अनुसार नीति बनाते हैं और चलाते हैं। चाइना 18 ट्रिलियन, 66 मिलियन टन भारत, 59 मिलियन टन जापान, 51 मिलियन टन अमेरिका करता है। इसका ग्रोथ 4.3 या 7 है आपका आकलन है। कोरोना के वजह से देश का जीडीपी बचा नही है। अगर किसान नहीं होते तो आपके उद्योग धरे के धरे रह जाते, 3.5 प्रतिशत ग्रोथ रेट कृषि से है। आज जिस कम्पनी की जनसुनवाई हो रही है, उसमें 3 महिने पहले जीएसटी की रेड पड़ी थी, तब इसके अधिकारी पीछे के रास्ते से देलारी गांव में कहीं सत्यनारायण की पूजा हो रही थी वहां छूपे। ये जो उद्योग जनसेवा की बात करते हैं मैंने उन पर जलकर के लिये 2015 में आरटीआई लगाया था, तब तक कोई उद्योग जलकर नहीं देता था। रायगढ़ की जनता को पीने के पानी के लिये 200 प्रति महिना कर

लिया जाता है, जबकि उद्योगों से 9 रूपये प्रति घन लीटर की दर से लिया जाता है। मेरे द्वारा जलकर पर आरटीआई लगाने के अगले साल ही सिचाई विभाग को जलकर से 42 करोड़ रूपये प्राप्त हुये। किन्तु सिचाई विभाग के अधिकारियों द्वारा ही उद्योगों को उपाय बताया गया कि आप जलकर के लिये उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर दे और उसे विचाराधीन रहने दें। जब तक मामला विचाराधीन रहेगा हम आपसे जलकर नहीं लेंगे। अभी हाल ही प्रशासन की रिपोर्ट के अनुसार ग्रामीण क्षेत्र के 468 हैण्डपम्प गायब है। उद्योग पहले तो नदियों से पानी लेने की बात करते हैं, लेकिन उनके द्वारा ग्रामीण क्षेत्र की पानी को चोरी किया जाता है। जल अनुबंध समाप्त होने के पश्चात उद्योग अवैध रूप से 6 महीने से पानी का उपयोग कर रहे हैं। आज से 15 साल पहले रायगढ जिले में एक समिति हुआ करती थी, जिसके अध्यक्ष कलेक्टर होते थे। जिसमें पर्यावरण, बिजली, राजस्व, पुलिस जैसे विभागों के अधिकारी हर 03 महीनों में उद्योगों का निरीक्षण कर कलेक्टर को अवगत कराते थे। अभी हाल ही में नया मंत्रिमंडल बनने पश्चात मेरे एक परिचित आईएएस से रायपुर में भेट हुई जिनसे बातचीत में मेरे द्वारा मंत्रीजी को मैनेज कैसे करते हो कहने पर उन्होने बताया कि वो मंत्रीजी के निर्देश पर यदि काम करना है कहा जाता है तो काम करते हैं, यदि काम करते हुये देख लेना कहा जाता है तो परसेंटेज वाला काम होता है और यदि वसूली करना है कहा जाता है तो वसूली करते हैं। यही स्थिति कोयला खनन और रेत खनन की भी है। यहां ना कभी रेत से भरे डम्फरों की जांच होती है ना गाड़ी की फिटनेस की और ना वाहन चालक के स्वास्थ्य की। जिन वाहन चालको का लायसेंस 20 साल की उम्र में बना था वो आज भी 60 साल की उम्र में बिना किसी जांच के वाहन चला रहे हैं। हमारे जिले में श्रम विभाग भी है, जो उद्योगों को बिना निरीक्षण के 300 रूपये प्रति श्रमिक की दर से देने पर उनको फैक्ट्री लायसेंस जारी कर देता है, जबकि उद्योगों में अधिकतर श्रमिक ठेकेदारी में काम कर रहे हैं। गरीबी यहां इस प्रकार है कि लोगों को जनसुनवाई में यह कहकर लाया जाता है तुमको यह कहना है कि मैं कम्पनी का समर्थन करता हूं बदले में नास्ता दिया जाएगा और मजदूरी स्वरूप 100–200 रूपये भी जबकि यही कम्पनी उनके लिये ना वृक्षारोपण कर रही ना उनको स्वास्थ्य सुविधा दे रही ना रोजगार। अधिकारियों को भ्रष्टाचार रिटायर्ड होने के बाद नजर आता है जब उनसे एरियश और पैंशन पास करने के लिए परसेंट मांगा जाता है, जब वो नौकरी में रहते हैं तो यहीं उन्हें शिष्टाचार लगता है। मैंने ऐसे आईएएस अधिकारी भी देखे हैं जो अपना टिफिन साथ लेकर चलते थे, किंतु अभी के अधिकारी ऐसे हैं, जो पास में ही बरपाली गांव में कड़कनाथ मुर्गा पालन करने वाले का कड़कनाथ मुर्गा फ्री में ऐसे खाये कि उसके सभी कड़कनाथ खत्म हो गये। उद्योग विभाग के नियम के अनुसार उद्योगों को 70 प्रतिशत स्थानीय निवासियों को और 30 प्रतिशत बाहरी निवासियों को रोजगार पर रखना है, जिसके लिये उन्हे छूट भी मिलता है। किन्तु उद्योग छूट तो ले लेते है स्थानीय निवासियों को रोजगार नहीं देते। रोजगार कार्यालय में 1 लाख 64 हजार स्थानीय निवासियों का पंजीयन है, मैने भी 23 साल की उम्र में

Asah

पंजीयन कराया था लेकिन आज 53 साल का होने तक मुझे रोजगार कार्यालय से चपरासी की नौकरी के लिये तक फोन नहीं आया। यहां आये लोगों ने केवल खाने और पैसों के लिये कम्पनी का समर्थन किया है, जो खाना भी अधिकारियों, पुलिस और गांव वालों के लिये अलग–अलग जगह बनाया जाता है। जनसुनवाई के बाद मेरे साथ किसी भी गांव में चले यदि 10 प्रतिशत लोग भी यह कह दें, कि वे उद्योग का समर्थन करते हैं तो मैं कम्पनी का विरोध नहीं करूंगा। यह हमारा दुर्भाग्य है, कि पूर्व आईएएस जो 05 जिलों के कलेक्टर रहे हैं , जो वर्तमान में मेरे जिले के विधायक तथा वित्त मंत्री तथा पर्यावरण मंत्री हैं उनके जिले की यह दशा है, तो मैं क्या ये समझू की सरकार की उद्योगों से साठगाठ है। यही ओपी चौधरी विधायक बनने के पूर्व पर्यावरण बचाव तथा सड़क दुर्घटना के लिये पैदल यात्रा किये थे। किन्तु विधायक बनने के बाद कोई विकास नहीं है। पूर्व कलेक्टर मुकेश बंसल के जाने के बाद रायगढ़ में एक चौराहा तक नहीं बना है। बरसात आते ही सरकार पेड़ लगाने की बात कहती है, मैं कहता हूं पेड़ बचाओं तो पेड़ लगाने की जरूरत ही नहीं होगी और ऐसी ही स्थिति रही तो अभी 47.5 अगले साल 52.2 होता जायेगा और भुगतेंगे सभी। मै पर्यावरण अधिकारी से मिला और उनसे यही निवेदन किया कि सर आप उद्योगों को मजबूर कर दीजिए पेड़ लगाने को आप कही भी रहो ऐसी ही स्थिति रही तो आप खुद को भी कही न कही इस स्थिति का जिम्मेदार मानोगे। विपिन जायसवाल ने बहुत अच्छी बात कहीं कि हमें अपना परंपरागत काम करने दिया जाना चाहिए यदि हम शराब बनाये तो गलत और माफिया बनाये तो सही। कही न कही उद्योगों द्वारा बाहरी तत्वों ने स्थानीय जीवन को प्रभावित किया है। आज मैं इस जनसुनवाई में उपस्थित हुआ मैंने अपनी बात रखी और जब तक जिंदा हूं अपनी बात आप लोंगो तक पहुंचाता रहूंगा। मुझे मौका देने के लिये सभी अधिकारियों का धन्यवाद। जय हिंद.....जय भारत.....जय छत्तीसगढ़.....।

390. धनमती, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
391. मनबोध, देलारी – मैं काम करता हूँ मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
392. चंद्रकला, सराईपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
393. रीनू राठिया – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
394. दीपावली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
395. सेतमती, सराईपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
396. मांगबाई – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
397. मंगला सिदार – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
398. श्रुंती सिदार – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
399. सुरेखा – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
400. सहोद्रा – मेसर्स रायगढ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

401. दीपा सिदार – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

402. प्रवासिनी सिदार – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

403. त्रिलोतमा – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

404. कुमुदनी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

405. तिजा बाई – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

406. सीमा, शिवपुरी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

407. रामलिला – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

408. रथमति – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

409. सुनाई बाई – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

410. सहेतिन – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

411. मंगली, शिवपुरी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

412. लता, शिवपुरी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

413. मालती, शिवपुरी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

414. झाड़ुमती, शिवपुरी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

415. ऋषिकेश, सराईपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है। मैं बताना चाहता कि आप कभी देलारी आये है क्या, कमल अग्रवाल को सभी जानते है और सभी का ख्याल रखते है। हर साल हजारों की संख्या में वृक्षारोपण हो रहा है। रायगढ़ इस्पात स्थानीय लोगो को रोजगार दे रहा है। महोदय जी कागजो के बदौलत ही बोल रहे है। रायगढ़ इस्पात में 80 प्रतिशत लोकल लोग है। प्लांट को विस्तार को अनुमति दे।

416. उपेन्द्र, सराईपाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

417. गोपाल, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

418. दुजेलाल – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

419. त्रिलोचन धनवार – विरोध।

420. आनंदराम, शिवपुरी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

421. ननकुराम, शिवपुरी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

422. सुभाष – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

423. दशरथ, पाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

424. हिरालाल, पाली – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

425. सोनाराम, शिवपुरी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

426. तुलाराम – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

427. घना सिदार – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

428. तुलेश्वर – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

429. गणेश – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

430. विजय कुमार – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

431. गजेन्द्र – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

432. सेतराम – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

433. अर्जुन सिदार – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

434. राजेश गुप्ता, सराईपाली – आज इस प्रकार से जनसुनवाई हो रही है लोग यहा आ रहे है और बोल रहे है सराईपाली का हूँ, पता नहीं कहा से आये है इसका पता लगाना चाहिये, जहा से है वहा का बोला जाये, झुठ नहीं बोला जाये। गांव का नाम गलत बताया जा रहा है इस पर रोक लगाना चाहिये। कंपनी के आने से कुछ साथी बोल रहे हैं विकास हुआ है। कुछ साल पहले लाल भाजी और गोभी को रायगढ़ में बेचा जाता था लेकिन आजकल गोभी का फूल काला हो रहा है। जो लोग समर्थन किये वो भी किसान है और उनका भी नुकसान हो रहा है फिर भी पता नहीं क्यों समर्थन दे रहे है। गुरू श्री इण्डस्ट्री पूरा फसल को जल दिया था आज से 3–4 साल पहले। त्रिपाठी जी 35 वर्षो से इस क्षेत्र में काम करते आ रहे है जहां भी पर्यावरण का कार्य होत है वो जरूर आते हैं पता नही क्युं हमारे साथ कह रहे वो आये नहीं हैं। वो पर्यावरण विद् है लगातार काम करते आ रहें हैं वो तो इस प्रकार का बता नहीं बोला चाहिये। जहां जनसुनवाई हो रही है शिवपुरी में यहां आम का बगीचा है कल मै वहां गयो जहां बच्चे खेल रहे थे वहा प्रदूषण नहीं दिख रहा है लेकिन आने वाले समय में वो बर्बाद हो जायेगा। 2022 में पेपर में छपा था यहां 80–90 हजार सराई पेड़ है जिसे काटकर कंपनी बैठाया जायेगा। अभी रायगढ़ का तापमान कितना ज्यादा है अगर 30 से 40 हजार पेड़ की कटाई होती है तो पता नहीं रायगढ़ जिला किस गर्त में जायेगा। आप तो चले जायेंगे तो लोग यहां समर्थन किये हैं उनसे पूछता हूं 50 डिग्री तापमान में आप कहा जायेंगे। क्या कंपनी में काम करने वाले को ए.सी. में रखा जायेगा? क्या कंपनी हमारे घर में एसी लगायेगा? रायगढ़ कलेक्टोरेट के बाहर लिखा है सुघ्घर रायगढ़ वहां लिखना चाहिये काले धुऐं का शहर रायगढ़। इतना प्रदूषण के बाद जनसुनवाई हो रहा है दुखद बात है। हम लोग धान की कटाई करते है मुंह बांधकर करते है तो अंदर भी डस्ट कान आंख में चला जा रहा है उसके लिये क्या कार्यवाही की जा रही है? फ्लाई ऐश की कार्यवाही के बारे में मैने पूछा था साहू सर से बतायेंगे तो अच्छा होगा। हमारे बुजुर्ग ने चिराईपानी का पानी का बाटल दिया है। हमने भी सेम्पल दिया था 2021 में तालाब की मछली मर गई थी फसल का भी सैम्पल दिया था लेकिन 3–4 साल हो गया रिपोर्ट आज तक नहीं मिला। इसका जवाब दें। यहा 700–800

एकड़ जमीन जायेगा तो क्या होगा ये सोचने का विषय है। पूंजीपथरा के टी.आई. और कर्मचारी किस प्रकार से झेल रहे है वहा पूरा डस्ट है। थाना पीछे कंपनी हैं और वो धुंआ छोड़ रहे हैं। मैं प्रशासन से गुहार लगाउंगा और एन.जी.टी. में भी गुहार लगाउंगा कि यहां और उद्योग न लगाये जाये। पेशा कानून के तहत ग्रामसभा का आयोजन अनिवार्य होता है। उसकी छायाप्रति दीजिये। ई.आई.ए. रिपोर्ट का प्रचार–प्रसार की जानकारी जिला प्रशासन की है उसकी जानकारी प्रशासन द्वारा दिया जाना चाहिये लेकिन सिर्फ कुछ ही कंपनियों की मुनादी की जाती है। ईआईए सिर्फ पंचायत में पड़ी रहती है। ईआईए पढ़कर कंपनी के आने से क्या प्रभाव पड़ेगा इसको बताना चाहिये तो शायद यहा के लोग समर्थन नहीं करते। आगे आने वाले जनसुनवाई में लोगों को ईआईए पढ़कर नुकसान के बारे में बताये तो शायद लोग समझेंगे। 300–200 रूपये देकर और खाने का प्लेट देकर बुलाया जा रहा है और जनसुनवाई को समर्थन मंच बना दे रहें है ये नहीं होगा और कुछ पैसे के लिये लोग यहा आकर बैठ रहे है। हम अपनी समस्या को लेकर यहां आते हैं हमे शौक नहीं है हम जनसुनवाई में आये और समय बर्बाद करें। रायगढ़ के क्षय रोग विशेषज्ञ डाक्टर के मैं क्लिनिक गया था और अपाईनमेंट लेने के लिये 2–3 घंटे बैठना पड़ता है सारे इसी क्षेत्र के लोग हैं। यहा कैंप लगाया जाना चाहिये फर्जी नहीं वास्तविक मरीज का ईलाज हो। 4–5 वर्ष पहले यहा कैंप लगाया गया था उस तरह से ना लगाया जाये। हमारे गांव मे सिलिकोसिस बीमारी है जो इसी सराईपाली क्षेत्र में सबसे पहले निकला इसके चलते कई लोग मर चुके हैं। ई.आई.ए. बनाने वाले से मैं पुछना चाहता हूँ कि बताईये कि यहा कितने सिलिकोसिस से बीमार है। लेकिन वो तो यहा आते ही नहीं है। फर्जी ई.आई.ए. रिपोर्ट कापी पेस्ट करना उचित नहीं है। सोशल इम्पेक्ट की बात करें तो हमारे यहा सांस्कृतिक खतम होती जा रहीं है। पिछली सरकार में फुगड़ी डण्डा खेल को बढ़ावा दिया मैं भूपेश सरकार का शुक्रिया करता हूं। यहां बाहरी लोग आकर अपने संस्कृति का प्रचार–प्रसार कर रहे है और यहा के लोगो को छोटा दिखाया जा रहा है जिससे हमारी संस्कृति लुप्त होती जा रही है जिस पर जिला प्रशासन का पहल करनी चाहिये तो यहाँ की संस्कृति बच सके। यहा विकास के बड़े–बड़े वादे सभी कंपनी करते है। फ्लाई ऐश पर क्या एक्शन लिया बताते तो हमें जानकारी होती? कंपनियों में सुरक्षा का ध्यान नहीं दिया जाता। नवदूर्गा में पहले एक व्यक्ति जल गया था क्योंकि उनको सुरक्षा के बारे में बताया नहीं गया था अगर ट्रेनिंग देते तो ऐसा नहीं होता सिर्फ 6 लाख दे देने से एक व्यक्ति की कमी महसूस नहीं होती। उनको ट्रेनिंग दें तो बच्चे अनाथ नहीं होंगे। धन्यवाद

(पीठासीन अधिकारी – स्टील प्लांट परियोजना के बारे में जनसुनवाई जारी है आप में से जो कोई अपनी बात रखना चाहते हों। कृपया अपनी बात रखें।)

435. रामप्रसाद सिदार, शिवपुरी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

436. रोहन कुमार, शिवपुरी – विरोध।

437. जलंधर – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

438. भगवती – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

439. समारू राम – विरोध।

440. नवीन गुप्ता – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

441. ललित कुमार – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

442. राजकुमार – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

443. नितिन – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

444. विजय राम चौहान – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

445. भानुराम, शिवपुरी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

446. हरिशचंद्र साहू, देलारी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है क्योंकि हमारे देलारी में सहयोग करते आ रहा है। शादी के लिये सहयोग किये हैं। स्कूल में बाउण्ड्री किये व बच्चे के लिये झुला झुलने की व्यवस्था किये है, पौधा रोपड़ भी किये है जिसको बच्चे लोग ने उखाड़ दिया है।

447. बंशीलाल सिदार – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

448. सुखबीर सिंह – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है प्लांट के आने से रोजगार मिलेगा।

(पीठासीन अधिकारी – आमजन में से कोई अपना बात रखना चाहते हैं तो कृपया आमंत्रित हैं।)

449. फिरोज खान – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

450. सुजीत सिंह – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

451. सलमान – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

(पीठासीन अधिकारी – रायगढ़ इस्पात के स्टील प्लांट के संबंध में पर्यावरणीय लोकसुनवाई की जा रही है किसी को अपना बात टीका टिप्पणी रखना हो तो कृपया यहां आकर अपनी बात रख सकते हैं। संबंधित इकाई के प्रतिनिधि इसके बाद अपना उत्तर जनता को समर्पित करेंगे।)

452. नेत्रानंद पटेल, देलारी – रायगढ़ इस्पात द्वारा सबसे ज्यादा इसी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराया जाता है, जन सहयोग धार्मिक आर्थिक एवं कन्या विवाह आदि कार्यो में भी आर्थिक रूप से मदद करता है। हमको रोजगार दे ऐसा प्लांट लगना चाहिये। जय हिन्द जय भारत जय छत्तीसगढ़।

453. शहनवाज खान, रायगढ़ – आज जो मेसर्स रायगढ़ इस्पात की लोकसुनवाई शिवपुरी में हो रहा है इससे पूर्व हमने रायगढ़ इस्पात के समक्ष श्रमिकों को लेकर प्रदूषण और रोजगार के संबंध में जब भी बात किया हमेशा प्लांट प्रबंधन ने देकर खाली नहीं भेजा। हमारे काफी लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया। कोविड के समय यहा से जो भी श्रमिक बाहर से आये थे उन सभी श्रमिकों को उनके गन्तव्य स्थान पहुचाने में अन्य

प्लांट के साथ मिलकर योगदान दिया और गरीब व्यक्ति थे भोजन और राशन के लिये दान दिया। धार्मिक में भी इनको योगदान रहता है। मै आशा करता हूं भविष्य में इस यूनिट के बढ़ने से यहां के युवाओं को रोजगार मिलेगा और स्थानीय लोगो को मजबुती मिलेगी। इसलिये मैं मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है। ताकि भविष्य में ऐसे ही कार्य करते रहे ऐसा नौबत न आये कि हमको इनके विरूद्ध खड़ा होना पड़े। इनका कार्य पाजिटिव रहा है। जय हिन्द जय भारत जय छत्तीसगढ़। फ्लाई ऐश का डिस्पोजल जैसे रायगढ़ इस्पात कर रहा है ऐसे ही करता रहे इस बात का आप एनलाईज करते रहें ताकि खेत खलिहान और पर्यावरण प्रदूषित न हो। जय हिन्द जय भारत जय छत्तीसगढ़।

(पीठासीन अधिकारी – आमजन में से कोई बाकी हैं तो कृपया यहां आकर अपनी बात रखें अभी तक 453 व्यक्तियों द्वारा अपनी विचार व्यक्त की गई है यदि अन्य व्यक्ति बाकी है तो कृपया आमंत्रित है। कैमरा एक बार उधर घूमा देंगें।)

454. बोधराम सिदार, भैसगड़ी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है। हमेशा सहयोग करे, मेरा आशिर्वाद है।

455. अजिन सेफी – मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

पीठासीन अधिकारी ने कहा कि कोई व्यक्ति शेष नहीं है। रायगढ़ इस्पात के प्रतिनिधि को निर्देशित करता हूं कि आम जनता द्वारा उठाये गये बिन्दुओं पर अपना उत्तर रखें।

कंपनी कंसलटेंट श्री महेश्वर रेड्डी, पायनियर लेबोरेट्री हैदराबाद द्वारा बताया गया कि सुनवाई में जो मुद्दा उठाया जल एवं वायु प्रदूषण के बारे में ये जो ग्रीन फील्ड प्रोजेक्ट है हम लोग इस परियोजना में बैग फिल्टर, डस्ट सप्रेशन सिस्टम भी लगाया जायेगा, चिमनी की ऊंचाई में केन्द्रीय प्रदूषण मंडल के अनुसार किया जायेगा। पार्टीकुलेट मैटर उत्सर्जन की मात्रा 30 मिलीग्राम/मी^{3} से कम होगी। सल्फरडाई ऑक्साईड, नाइट्रोजन ऑक्साईड पॉवर प्लांट में 100 मिलीग्राम/मी^{3} से कम होगी। परियोजना के लिये पानी जो रहेगा वो पानी केलो नदी से लिया जायेगा ऑपरेशन कमिट होने से पहले ही वॉटर रिसोर्स डिपार्टमेंट से परमिशन लिया जायेगा और जो दूषित जल निकलेगा उसको इफ्लुऐंट ट्रिटमेंट प्लांट में शुद्ध करके डस्ट सप्रेशन, ग्रीन बेल्ट के लिये उपयोग किया जायेगा कोई दूषित जल बाहर नहीं जायेगा जीरो डिस्चार्ज कर इसको इम्लीमेंट करेंगे। फ्लाई ऐश को केलो नदी में डंप नहीं करेंगे, ब्रिक मैन्युफेक्चरिंग प्लांट लगाया जायेगा इसमें। एक मुद्दा आया था कि केलो नदी, फॉरेस्ट और नाला इसमें मेंशन नहीं है हम लोग मेंशन करना चाहते हैं कि टोपोग्राफीकल मैप लैण्ड अवर मैप, एरिया ड्रेनेज मैंप ये तीनों मैंप ई.आई.ए. रिपोर्ट में जमा है, सब नाला दिख जायेगा इसमें। हाथी क्षेत्र का पाईंट हमने ईआईए में मेंशन किया है प्रिंसिपल चीफ कन्जर्वेटर से अप्रूवल भी लिया गया है जो उसका कंडिशन का पूर्ण रूप से पालन किया जायेगा। मेडिकल चेकअप पियरोडिकली रेगूलर करेंगे गांव में और शिक्षा के बारे में जो कि टीचर्स को अपाईंट करना और टॉयलेट का कन्स्ट्रक्शन भी करेंगें, मिनरल वॉटर भी स्कूल में डालेंगे। युवाओं के

Asaly

लिये ट्रेनिंग फेसिलिटी किया जायेगा। गेरवानी हाई स्कूल रोड बनाने का एक पाईंट आया था इसके लिये बाकी इण्डस्ट्री से मिल के रायगढ़ इस्पात द्वारा पूरा कोशिश किया जायेगा। सराउन्डिग विलेजेस में एक तिहाई क्षेत्र में 1000 प्लांटेशन भी किया जायेगा। स्थानीय लोगों को प्राथमिकता दिया जायेगा। टेम्प्रेचर का पाईंट आया था इस परियोजना में हम लोग 49 प्रतिशत का ग्रीन बेल्ट विकसित करेंगे और गांव में 1000 प्लांटेशन करेंगे ये सब करने से और एक चीज है कि वेस्ट हीट रिकवरी बॉयलर लगा रहेगा चिमनी का हाईट भी बहुत ऊँचा रहेगा जिससे टेम्प्रेचर पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। प्रस्तावित परियोजना में फर्स्ट प्रिओरिटी लोकल लोगो के लिये ही किया जायेगा।

पीठासीन अधिकारी–आमजन में से अगर कोई व्यक्ति कोई बात पूछना चाहे तो पूछ सकते हैं जो प्रस्तावित प्लांट है उनके प्रतिनिधि उनका उत्तर देंगें।

विपिन डनसेना, चिराईपानी– जी सर मैन एक प्रश्न रखा था, रोजगार एवं रोजगार से संबंधित कार्य का इन्होने इसके बारे में कुछ नही बताया। क्या मुझे नौकरी दे रहे हैं? या संबंधित रोजगार की बात है।

पीठासीन अधिकारी–रोजगार से संबंधित जो स्थिति रहेगी व्यक्तिगत नहीं, कांउसीलेटर के तहत्।

कंपनी कंसलटेंट श्री महेश्वर रेड्डी – टॉप प्रिओरिटी लोकल लोगो के लिये ही किया जायेगा।

विपिन डनसेना, चिराईपानी– इसके लिये हम कब संपर्क कर सकते हैं?

पीठासीन अधिकारी–प्रस्तावित प्लांट है ये जब भारत सरकार से इसकी पर्यावरण स्वीकृति मिलेगी उसके बाद प्रक्रिया होगी जब ये अस्तित्व में आ जायेगा, तब रोजगार की बात है। परियोजना जो इकाई है उनके प्रतिनिधी द्वारा कहा गया है और ये नियम भी हैं शासन के कि स्थानीय लोगों को प्राथमिकता दी जाये। अन्य अगर कोई व्यक्ति हों अगर कोई अन्य बात पूछना चाहें तो आ सकते हैं। पर्यावरणीय जनसुनवाई के संबंध में ईआईए अधिसूचना दिनांक 14 सितम्बर 2006 के प्रावधानों के अनुपालन में आज रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड के प्रस्तावित स्टील प्लांट परियोजना के संबध में लोकसुनवाई का विधिवत् आयोजन किया गया इसमें लगभग 500 से अधिक लोगों का जन समुदाय एकत्रित हुआ और इसमें 453 लोगों द्वारा अपने विचार व्यक्त किये गये हैं सुनवाई के दौरान 05 अभ्यावेदन प्रस्तुत किये गये, पूर्व में 03 अभ्यावेदन प्राप्त हुये है, उपस्थिति पत्रक पर 117 लोगों ने हस्ताक्षर किये। संपूर्ण लोक सुनवाई की वीडियोग्राफी की गई है। लोक सुनवाई में उपस्थित सभी लोगों का धन्यवाद! आमजन, पुलिस अधिकारीगण, पर्यावरण विभाग के लोग सभी का बहुत धन्यवाद आज की लोकसुनवाई की समाप्ति की घोषणा की जाती है। धन्यवाद।

Asahu

(अंकुर साहू)
क्षेत्रीय अधिकारी
छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल, रायगढ (छ.ग.)

(राजीव कुमार पाण्डेय)
अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी
जिला–रायगढ़ (छ.ग.)